फाल्गुन माह , कृष्ण पक्ष 21 वर्ष, अंक 35 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

# अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार, 27 फरवरी 2022 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

# बेहद खतरनाक स्तर पर महायुद्ध

## अगर अमेरिका और नाटो ने जंग में सीधे हिस्सा लिया तो पुतिन एटमी हथियारों का करेंगे इस्तेमाल

**कीवः** यूक्रेन पर रूस के हमले के तीसरे दिन यूक्रेन के कई शहरों में हवाई हमले की चेतावनी दी गई है। वहीं रूस और यूक्रेन, दोनों ओर से एक दूसरे को नुकसान पहुंचाए जाने के दावे किये जा रहे हैं। इन दावों के बीच यूक्रेन सरकार ने हवाई हमलों की संभावना के मद्देनजर सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। संयुक्त राष्ट्र संघ, अमेरिका, नाटो सहित दुनिया भर की तमाम कोशिशों के बावजूद यूक्रेन पर रूस का हमलावर रुख नरम होने का नाम नहीं ले रहा है। अब यूक्रेन के कई शहरों में लीव, लत्स्क, उमान, विनित्सिया और राइन पर हवाई हमले की चेतावनी जारी की गयी है। यहां रहने वाले लोगों से कहा गया है कि वे सुरक्षित स्थानों (शेल्टर) में चले जाएं। यूक्रेनियन डिसइनफॉर्मेशन सेंटर ने यूक्रेन के लोगों से व्हाट्सएप का उपयोग न करने का अनुरोध किया है क्योंकि इसे रूसी सेना द्वारा देखा जा सकता है। इस बीच लड़ाई में हुए नुकसान को लेकर दोनों ओर से दावे किये जा रहे हैं। रूस की ओर से कहा गया है कि रूसी सेना ने यूक्रेन के 821 सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। इन हमलों में यूक्रेन की राजधानी कीव के कई अपार्टमेंट तबाह हो गए हैं। हमला लगातार जारी है। उधर यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि यूक्रेन के सैनिक जोरदार मुकाबला कर रहे हैं। दावा किया कि यूक्रेन के सैनिकों ने 3,500 से अधिक रूसी मार गिराए हैं, जबकि दो सौ से अधिक को आत्मसमर्पण पर मजबूर कर दिया है। साथ ही यूक्रेन ने रूस के 14 हवाई जहाज, 8 हेलीकाप्टर, 102 टैंक और 536 बख्तरबंद कारें नष्ट करने का दावा भी किया है।

**कीव पर कब्जे की कोशिश में रूसः** यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तीसरे दिन भी युद्ध की भयावहता कम होने का नाम नहीं ले रही है। रूस अब यूक्रेन की राजधानी कीव पर कब्जे की कोशिश में है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने देश छोड़ने से साफ इनकार कर इस आशय का अमेरिकी प्रस्ताव ठुकरा दिया है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग तेज हो गई है। अब लड़ाई यूक्रेन की राजधानी कीव की सड़कों तक देखी जा रही है। रूस कीव के आसपास के एयर स्ट्रिप पर कब्जा करना चाह रहा है। यूक्रेन का दावा है कि रूस इन प्रयासों में बार-बार नाकाम हो रहा है। यूक्रेन पर हमलों की रफ्तार तेज करते हुए जल्द ही कीव पर कब्जा करना चाहती है।

### अब रूस और फ्रांस के बीच तनावः रूस के कार्गो शिप पर फ्रेंच नेवी का कब्जा

**मॉस्को/कीवः** यूक्रेन पर हमले के तीसरे दिन रूस ने दावा किया कि उसने 800 यूक्रेनी सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया है। इनमें 14 सैन्य हवाई क्षेत्र, 19 कमांड पोस्ट, 24 एस-300 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम और 48 रडार स्टेशन शामिल हैं। इनके अलावा, यूक्रेनी नौसेना की 8 नौकाओं को भी तबाह कर दिया गया। रूस और यूक्रेन की जंग की आंच दूसरे देशों तक पहुंचने लगी है। शनिवार शाम फ्रांस की नेवी ने रूस के एक कार्गो शिप को अपने कब्जे में ले लिया। यह शिप इंग्लिश चैनल में मौजूद था। फ्रांस के इस कदम से रूस भड़क गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस शिप में बेहद कीमती कारें और कुछ इलेक्ट्रॉनिक इक्युपमेंट्स हैं। फ्रेंच नेवी और कस्टम इस शिप की जांच में जुट गए हैं। फ्रांस में मौजूद रूस के एम्बेसेडर ने एमैनुएल मैक्रों सरकार से संपर्क किया है।

### रूस के हमले से दहशत, भूमिगत स्थलों पर शरण लेने को मजबूर भयभीत परिवार

**कीवः** यूक्रेन पर रूस के हमले से राजधानी कीव सहित देश के अन्य शहरों में दहशत का माहौल बना हुआ है। भयभीत परिवार भूमिगत स्थलों पर शरण लेने के लिए मजबूर हैं। एक लाख से अधिक लोगों के पलायन के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ ने अमीन अवाद को यूक्रेन के लिए समर्पित संकट संयोजक नियुक्त किया है। यूरोप और मध्य एशिया में संयुक्त राष्ट्र बाल कोष की क्षेत्रीय निदेशक अफशां खान ने बताया कि रूस के विशेष सैन्य अभियान में यूक्रेन की राजधानी कीव और अन्य शहरों में घातक मिसाइल हमलों से भयभीत परिवार भूमिगत स्थलों पर शरण लेने के लिए मजबूर हो गए हैं। हिंसा की वजह से अब तक एक लाख से अधिक लोगों के विस्थापन का शिकार होने की आशंका है। अफशां खान ने कहा कि कीव में बड़े हमले हुए हैं, जिनसे स्थानीय आबादी में बड़े पैमाने पर भय और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया है। परिवार डरे हुए हैं और वे अपने बच्चों के साथ भूमिगत परिवहन साधनों (सबवे) एवं अन्य आश्रय स्थलों की ओर जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए दो करोड़ डॉलर देने का फैसला किया है।

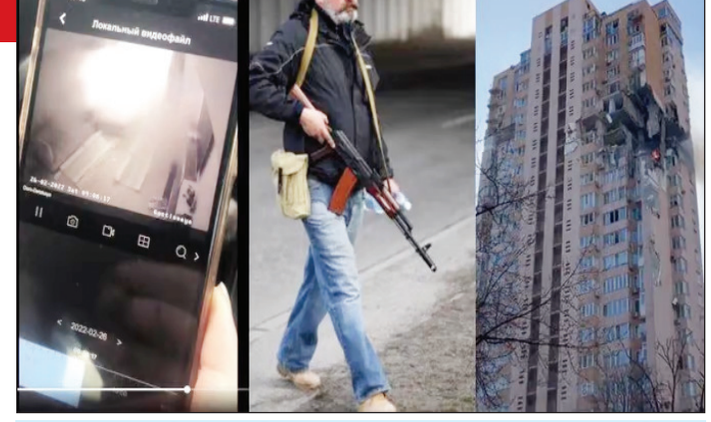

### त्रासदीः जो हाथ कलम चलाते रहे, अब उठा रहे हथियार...

**कीवः** यूक्रेन शायद सदी की सबसे भयानक त्रासदी से गुजर रहा है। यूक्रेनी सैनिक अपनी आजादी को बनाए रखने के लिए जान पर खेल रहे हैं। रूसी फौज राजधानी कीव में घुसकर कत्लेआम मचा रही है। इस बीच यूक्रेन ने देश की रक्षा के लिए आम नागरिकों को हथियार सौंप दिए हैं। अंतिम सांस तक लड़ने के लिए युवाओं से लेकर कई अधेड़ उम्र के लोगों ने भी हथियार उठाए हैं। इनमें से कई ऐसे लोग हैं, जिनका जंग और हथियारों से दूर-दूर तक संबंध नहीं था।

**आम जन ने उठाए हथियारः** यूक्रेन से सामने आई रिपोर्टस में ऐसे लोगों से बात की गई है, जो अब अंतिम लड़ाई के लिए निकल गए हैं। इनमें से एक यूक्रेनी इतिहासकार यूरी कोरचेमनी भी हैं। यूरी कहते हैं कि, उन्होंने अपनी जिंदगी में कभी हथियार नहीं उठाए। इतिहास को खोजना और उसके बारे में लिखना ही उनको पसंद था, लेकिन अब वह जंग में शामिल हैं और उन्होंने क्लाशिनकोव राइफल उठा ली है। एक हल्की सी मुस्कुराहट के साथ वह कहते हैं, उन्होंने हमें हथियार दिए हैं। हमारे लिए इसके लोड किया है और अब हम यहां हैं।

वहीं रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यूक्रेन की समुद्री सीमा में मौजूद जापान के एक शिप पर मिसाइल हमला किया गया है। शिप के एक हिस्से में आग लग गई है। माना जा रहा है कि यह मिसाइल रूसी सेना ने दागी। शिप को काफी नुकसान पहुंचा है। इस शिप को टग करके रिपेयरिंग के लिए तुर्की लाया जा रहा है।

## राहतः यूक्रेन से भारतीय स्टूडेंट्स हुए एयरलिफ्ट

### 219 स्टूडेंट्स के साथ रोमानिया से एअर इंडिया की फ्लाइट रवाना

**नई दिल्ली/रोमानियाः** यूक्रेन पर रूस के हमले के तीसरे दिन वहां फंसे 219 भारतीय छात्रों को लेकर एअर इंडिया के विमान ने रोमानिया के बुखारेस्ट से मुंबई के लिए उड़ान भर ली है। विमान में बैठकर छात्र काफी खुश नजर आए। इधर, यूक्रेन से भारत आने वाले यात्रियों के लिए मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक स्पेशल कॉरिडोर बनाया गया है। यहां से बाहर निकलने के लिए यात्रियों को कोविड-19 टीकाकरण का प्रमाणपत्र या आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। इस बीच स्लोवाकिया में भारतीय दूतावास से एडवाइजरी जारी कर कहा है कि यूक्रेन में फंसे भारतीय उझारोड़-वायसन नेमेके सीमा से रेस्क्यू किए जाएंगे। विदेश मंत्री ने कहा है कि यूक्रेन से निकाले गए 219 भारतीयों के साथ पहली उड़ान रोमानिया से मुंबई के लिए रवाना हुई। हमारी टीमें 24 घंटे काम कर रही हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से इसकी निगरानी कर रहा हूं। वहीं, रोमानिया में भारतीय राजदूत राहुल श्रीवास्तव ने विमान के अंदर का एक वीडियो जारी किया। उन्होंने कहा- भारत सरकार यूक्रेन में फंसे प्रत्येक व्यक्ति को भारत लाने के लिए दिन-रात लगी हुई है। हमारा यह मिशन तब तक नहीं रुकेगा, जब तक अंतिम व्यक्ति को रेस्क्यू नहीं किया जाएगा। आप सभी अपनी जिंदगी में 26 फरवरी का ये दिन हमेशा के लिए याद कर लीजिए। इधर, पोलैंड में भारतीय राजदूत नगमा मल्लिक ने कहा कि दूतावास ने तीन टीमों का गठन किया है।

### पहली बार अपराध करने वालों की दिल्ली में बढ़ी संख्या

**नई दिल्लीः** राजधानी दिल्ली में पहली बार अपराध करने वालों की संख्या काफी तेजी से बढ़ी है। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों को देखें तो पता चलता है कि पेशेवर अपराधी केवल 10 फीसदी वारदातों को ही अंजाम दे रहे हैं। जबकि 90 फीसदी वारदातों को अंजाम देने वाले ऐसे लोग हैं जो पहली बार अपराध करते हैं। ऐसे लोगों की संख्या हत्या, हत्या प्रयास, लूट, दुष्कर्म, झपटमारी आदि में 90 फीसदी तक रही है। दिल्ली पुलिस महासंघ के अध्यक्ष एंव पूर्व एसीपी वेदभूषण ने बताया कि पहली बार अपराध करने वाले जिस तरह से बढ़ रहे हैं, वह पुलिस के लिए बड़ी चिंता का विषय है। आमतौर पर पुलिस ऐसे अपराधियों पर नजर रखती है जिनका आपराधिक इतिहास होता है। उनके डोजियर तैयार किये जाते हैं, हिस्ट्री शीट खोली जाती है, ज्यादा वारदात करने वालों को घोषित बदमाश बना दिया जाता है। ऐसे अपराधियों पर नजर रखने से लेकर उन्हें पकड़ना आसान होता है, लेकिन पहली बार अपराध करने वालों को चिन्हित नहीं किया जा सकता। यह अनुमान लगाना नामुमकिन है कि कौन व्यक्ति पहली बार अपराध करने जा रहा है।

### खुफिया जानकारी देने के आरोप में सेना का नायक गिरफ्तार

**पठानकोटः** भारतीय फौज की खुफिया जानकारी पाकिस्तान को भेजने के आरोप में सीआईए स्टाफ पठानकोट की टीम ने एक सैन्य अधिकारी को काबू किया है। सेना में बतौर नायक अपनी सेवाएं दे रहे आरोपी की पहचान गुरदासपुर के गांव तलवंडी भारथवाल, बटाला निवासी नवजोत सिंह के रूप में की गई है। वह इस समय पठानकोट के सुजानपुर आर्मी कैंप में तैनात है। थाना सदर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के साथ उसका एक साथी भी इस काम में लगा था। दोनों आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से सैन्य मूवमेंट, जंगी तैयारियों के साथ अन्य खुफिया जानकारी पाकिस्तानी अधिकारियों और खुफिया एजेंसियों को मुहैया करवाते थे। सूत्रों का कहना है कि आरोपी के मोबाइल से यह पता चलेगा कि वह कब से पाकिस्तान को खुफिया जानकारी भेज रहा था और अब तक क्या जानकारियां साझा की जा चुकी हैं। भारत-पाक सीमा से सटा अति संवेदशनशील जिला पठानकोट हाई अलर्ट पर है।

### संस्कारों के अभाव में डॉक्टर होकर भी कोई बन सकता है अफजल गुरुः राजनाथ सिंह

**नई दिल्लीः** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विश्वविद्यालय की शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक ज्ञान का महत्व समझाते हुये कहा कि जीवन में ज्ञान से अधिक अहमियत संस्कारों की होती है। इसके अभाव में डॉक्टर होकर भी कोई अफजल गुरु बन सकता है। कुख्यात आतंकी मोहम्मद अफजल गुरु 2001 में भारतीय संसद पर हुए आतंकवादी हमले का दोषी था। गरीबी और अशिक्षा को आतंकवाद का जनक कहने वालों को जवाब देते हुये राजनाथ सिंह ने कहा कि खूब पढ़ लिखने के बाद भी अमेरिका में ट्रेंड पायलट हो कर भी कोई 9/11 करने वाला खालिद शेख या मोहम्मद अट्टा बन सकता है। डॉक्टर होकर भी कोई अफजल गुरु बन सकता है। सीए होकर भी कोई याकूब मेनन बन सकता है। अरबपति खरबपति होकर भी कोई ओसामा बिन लादेन बन सकता है। उन्होंने कहा कि महत्व यह नहीं है कि आप कितने बुद्धिमान, प्रतिभावान या धनवान है बल्कि महत्व इस बात का है कि आपके मन का संस्कार क्या है। जो लोग यह सिद्धांत देने का प्रयास करते हैं कि केवल गरीबी और अशिक्षा के कारण ही आतंकवाद पनपता है उदाहरण उनकी बात को और उनके तर्क को ध्वस्त कर देते हैं। राजनाथ सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय के 98वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दीक्षांत शब्द का उपयोग पहली बार तैत्तिरीय उपनिषद में हुआ था। शिक्षा का अर्थ ज्ञान और संस्कारों से होता है। हम भारत को शक्तिमान, धनवान, ज्ञानवान और संस्कारवान बनाना चाहते हैं। हमारी शक्ति दुनिया को डराने के लिए नहीं बल्कि विश्व कल्याण के लिए है।

## खबर संक्षेप

### प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे मतदाता, मतदान आज

**नैनी।** अपनी जीत को लेकर प्रत्याशियों ने बीते कई दिनों से दिन रात मेहनत करने में जुटे हुए हैं। उनका मेहनत कितना रंग लाएगा, यह तो मतदाताओं के ऊपर निर्भर है। वह किसे विधानसभा में भेजते हैं और किसे मात देते हैं। यह तो आगामी 10 मार्च को परिणाम घोषित होने के बाद ही पता चलेगा। रविवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के तहत पांचवें चरण का मतदान प्रयागराज समेत कई जिलों में मतदाता अपने मतों का प्रयोग करेंगे। प्रयागराज में कुल 12 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सुबह से ही भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपने मतों का प्रयोग करने में जुट जाएंगे और यह सिलसिला शाम तक जारी रहेगा। चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे समस्त प्रत्याशी अपनी अपनी जीत को लेकर मतदाताओं के चक्कर काट चुके हैं। वहीं इस बार मतदाता भी बड़े साइलेंस मूड में दिख रहे हैं। वह अपने मतों का प्रयोग इस बार बड़ा सोच समझकर ही करने के मूड में हैं। जिससे प्रत्याशियों की बेचैनी बढ़ी हुई है। कई प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ जीत को पक्का करने के लिए हर एक हथकंडा भी अपनाने में शनिवार देर शाम तक लगे रहे। लाखों मतदाता अपने मतों का प्रयोग रविवार को करके प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम मशीन में कैद कर देंगे।

# विधानसभा चुनाव की पोलिंग पार्टियां पहुंची बूथों पर

## आकर्षण का केंद्र बना ग्राम पंचायत बबुरा बूथ स्थल

अखंड भारत संदेश

**करछना।** विधानसभा के अंतर्गत सभी बूथों पर देर शाम पोलिंग पार्टियां पहुंच गई है वही विकासखंड करछना समेत बबुरा, धरवारा, चनैनी, मुगारी, आदि दर्जनो बूथों पर आदर्श बूथ का मुहूर्त दिया गया जिसे देखकर मतदाताओं को आकर्षित करने का एक अनोखी पहल है जिसको लेकर गांव के प्रधानों ने अपने-अपने बूथों पर सजावट से लेकर सभी प्रकार की सुविधाएं कोविड का ध्यान रखते हुए बूथों पर सभी मतदाताओं को सुविधा बहाल करने के लिए आदर्श बूथ बनाने में अपनी भूमिका अदा की है वहीं देर शाम पोलिंग पार्टियां पहुंचने के बाद प्रशासनिक अमला बूथों पर निगरानी के लिए निरीक्षण में लगा रहा जहां सुबह रविवार को 7:00 बजे वोटिंग शुरू होगी।

## आकर्षण का केंद्र बना करछना मतदेय स्थल

**करछना।** विधान सभा 260 चुनाव संपन्न कराने के लिए जहां प्रशासनिक अमला एक ओर तैयारियों में लगा रहा है, तो वहीं युवाओं द्वारा मतदान स्थलों को दुल्हन की तरह साजो सामान से सजा कर बूथों को पूरी तरह से सजा कर मनमोहक ढंग से सजा कर बूथ को एक आदर्श बूथ के रूप में आकर्षण बूथ स्थल को प्रदर्शित करने में युवाओं का सराहनीय सहयोग रहा है। साथ ही कोविण के अनुपालन को ध्यान में रखते हुए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बूथों पर मुहैया कराई गई है।

# पैरामिलिट्री की निगरानी में होगा मतदान खुराफातियों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा

अखंड भारत संदेश

**मऊआइमा।** मऊआइमा पुलिस पैरामिलिट्री की निगरानी में क्षेत्र में रविवार को चुनाव सम्पन्न कराएगी तथा ज्यादातर खुराफाती लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जा चुकी है। मतदान के व्यवधान उत्पन्न करने पर मौके पर सख्ती से निपटा जाएगा ।

इंस्पेक्टर मऊआइमा सुरेश सिंह ने बताया कि मऊआइमा थाना क्षेत्र में 217 पोलिंग बनाए गए हैं तथा 292 बूथ बनाए गए हैं ।दो ज्वलंत शील ,19 अतिसंवेदनशील पोलिग स्टेशनों को चिन्हित किया गया है । इंस्पेक्टर के मुताबिक साढे चार हजार लोगों के खिलाफ शांति भंग की कार्यवाही की गई है । तथा 160 के खिलाफ 110 जी , पांच के खिलाफ गुंडा एक्ट ,पांच के खिलाफ गैंगस्टर ,साढे चार किलो गांजा के साथ चार जेल भेजे गए हैं । यही नहीं 160 लोगों को पकड़ कर उनके पास से 865 लीटर अवैध शराब बरामद किया गया है। तीन को जिला बदर किया गया है । चार अवैध असलहा के साथ जेल भेजे गए हैं।अस्सी प्रतिशत लाइसेंसी असलहे जमा कराएं गए हैं शेष बीस प्रतीशत बाहर हैं और अन्य प्रमीशन लिए हुए हैं। तीन को जिला बदर किया गया है। 87 हिस्ट्रीशीटर में सात मर गए हैं। सोलह बाहर हैं । सात जेल में हैं। 57 सत्तर साल के हैं उनके खिलाफ कार्यवाही की गई है । इंस्पेक्टर ने बताया कि चुनाव शांति पूर्वक समपन्न कराने के लिए गडबडी फैलाने वालों को चिन्हित कर लाल कार्ड दिया गया है। सामान्यों को पीला कार्ड थमा दिया गया है। हर पोलिंग स्टेशन पर पैरामिलिट्री रहेगी।

# छोड़ो अपने सारे काम पहले चलो करें मतदान...

## मतदान हेतु ग्रामीणों को किया गया जागरूक, दिलाई गई शपथ

**घूरपुर।** मतदाताओं को जागरूक करने के लिए इलाहाबाद विश्वविश्वविद्यालय के छात्रनेता अभिषेक सिंह पटेल के नेतृत्व मे क्षेत्र के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों मे विद्यार्थियों सहित ग्रामीणों को जागरूक किया गया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक अभिषेक सिंह पटेल ने लोगों को बिना किसी भय, लालच, जाति, धर्म से ऊपर उठकर समाज एवम देश के विकास हेतु मतदान की शपथ दिलवाये।इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोधछात्र अभिषेक सिंह पटेल के द्वारा विगत दस वर्षों से निरंतर पंचायत चुनाव से लेकर लोकसभा,विधानसभा चुनावों मे भी मतदाताओं को जागरूक किया जा चुका हैं।इसके साथ ही उन्होंने बेटियों की शादी, जल संरक्षण, पर्यावरण आदि क्षेत्रों मे व्यापक पैमाने पर सामाजिक कार्य कर चुके हैं। इस अवसर पर सेठ राम अभिलाष इंटर कालेज के प्रधानाचार्य एस.आर. सिंह ने मत की ताकत को समझाते हुए विकास, सुरक्षा, शिक्षा आदि क्षेत्रों मे बहुतायात प्रगति हेतु मतदान की अपील किये।आगे उन्होंने यह भी कहा कि मतदान एक आदर्श नागरिक का नैतिक कर्तव्य भी हैं। इसलिए राष्ट्र के उत्थान हेतु मतदान अवश्य करें।उक्त अवसर पर ए. पी. सिंह, सविता रानी, शोभा देवी, अनीता, अर्पित, अंकित, अनिल कुमार पटेल, शिवकली, उर्मिला,शांती, दीपक पटेल, जीतेन्द्र पटेल आदि लोग उपस्थित रहें।

मतदाता जागरूकता अभियान में लोगों को जागरूक करते शोध छात्र

राजकीय बालिका इं का. जसरा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में शपथ लेतीं छात्राएं

# राजकीय बालिका इंटर कालेज जसरा में चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

**जसरा।** राजकीय बालिका इंटर कालेज मे छात्राओं के द्वारा पोस्टर, बैनर पर स्लोगन आदि के माध्यम से मतदान करने की अपील किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सुकुंती देवी सचान ने कहा कि मतदान करना सभी मतदाताओं की नैतिक जिम्मेदारी हैं।मतदान से एक मजबूत सरकार का निर्माण होता हैं जिस पर देश का सम्पूर्ण विकास टिका होता हैं।घर -घर साक्षरता लें जाएंगे, मतदाता को जागरूक बनायेंगें, छोड़ो अपना सारा काम आओं करने चलें मतदान, बहकावें मे कभी न आना, सोच समझकर इत्यादि जोशीले नारों से सारा विद्यालय परिसर गूंज उठा।इस दौरान श्रद्धा गुप्ता, आशना शर्मा, हर्षिता कनौजिया,कोमल पटेल,शोभिता शर्मा,स्वेता शर्मा, स्नेहा मिश्रा, खुशी केसरवानी, प्राची मालवीय, रूपा यादव, अंजनी तिवारी, दिव्या पांडे, शिवांशी,नीलम पटेल सहित विद्यालय की अन्य सभी छात्राओं के द्वारा जागरूकता अभियान मे प्रतिभाग किया।उक्त अवसर पर कीर्ति अवस्थी, ममता शर्मा, शगुफ्ता जमाल, गीता पाण्डेय, रीना यादव, नीता त्रिपाठी, सुमन यादव, सुनीता मालवीया, रागिनी शर्मा, सफिया अल्वी आदि शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

# लीबिया के राजदूत ने किया शुआट्स का भ्रमण

## विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों, शिक्षा स्टैण्डर्ड की सराहना

अखंड भारत संदेश

**नैनी।** भारत में लीबिया राज्य के राजदूत अहमद एचएम गेब्रील और श्री महमूद ए.एम. एज्वेली, अकादमिक अटैची, लीबिया दूतावास ने शुक्रवार को सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स), प्रयागराज का भ्रमण किया एवं कुलपति मोस्ट रेव्ह. प्रो0 राजेन्द्र बी. लाल एवं अन्य उच्चाधिकारियों से मुलाकात की। कुलपति प्रो. राजेन्द्र बी.लाल ने गणमान्य व्यक्तियों का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय (डीआईइटी) के अध्यक्ष प्रो. डॉ. एम. इम्तियाज ने अतिथियों को शॉल पहनाकर स्वागत किया।भ्रमण के दौरान निदेशक प्रशासन श्री विनोद बी लाल, निदेशक डी.आई.इ.टी डॉ स्टीफन दास, निदेशक एफपीएम डॉ आशीष एस नोएल, निदेशक आईपीसी और डीन जैकब इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंजीनियरिंग प्रो डॉ जोनाथन ए लाल, डीन पीजी स्टडीज डॉ. दीपक लाल, डीन प्रो. डॉ. गौतम घोष, डीन प्रो. डॉ. अर्पण शेरिंग, संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन) डॉ. सी जे वेस्ली, सहायक निदेशक डीआईइटी श्री डोनाल्ड डेनिस, संपर्क अधिकारी श्री मो. माजिद आदि उपस्थित रहे। इस दौरान एच.ई. अहमद एच.एम. गेब्रील ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण, शिक्षा मानकों एवं अनुसंधान उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक सुविधाओं की भी सराहना की और विश्वविद्यालय में लीबिया के छात्रों को प्रदान किए गए सहयोग व प्रोत्साहन के लिए कुलपति प्रो राजेंद्र बी लाल का आभार व्यक्त किया। प्रो. डॉ. एम. इम्तियाज ने साझा किया कि 2007 से अब तक 350 लीबिया के छात्रों सहित 1500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने विश्वविद्यालय से विभिन्न यूजी, पीजी और डॉक्टरेट कार्यक्रमों में स्नातक किया है और अंतर्राष्ट्रीय छात्र वर्तमान में अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। शुआट्स और लीबिया के दूतावास के बीच संबंध 15 वर्ष से अधिक पुराना है। प्रो0 इम्तियाज ने बताया कि शुआट्स, 19 देशों के छात्रों के लिए एक सीखने का केंद्र रहा है और भारत और दुनिया भर में मानव संसाधन के विकास में योगदान देने के अपने अथक प्रयासों को जारी रखता है। लीबिया के राजदूत की यात्रा ने उच्च शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार में लीबिया, नई दिल्ली के दूतावास और शुआट्स के बीच दीर्घकालिक सहयोग और सहयोग के लिए नए रास्ते खोले हैं।

लीबिया के राजदूत का स्वागत करते प्रो0 राजेन्द्र बी. लाल

# जनप्रतिनिधि बदले, सरकारें बदली लेकिन नहीं आ सका बेलवनियां माईनर में पानी !

## ● 35 सालों से सूखी है नहर, हजारों एकड़ जमीन है परती

35 सालों से पानी की बाट जोहती नाहर व क्रेशर प्लांटो द्वारा नहर पर कब्जा

पानी के अभाव में सूखे पड़े खेत

डॉ. शमीम

**पसना।** कृषि प्रधान देश में अगर किसानों की प्रगति बाधित होगी तो निश्चित रूप से देश की प्रगति बाधित होगी,लेकिन कोरांव मेजा तहसील के बॉर्डर पर 1985 से निमार्णाधीन बेलवनियाँ माईनर में पानी की जगह धूल उड़ती है।जिससे इस क्षेत्र के किसानों को अनाज की जगह धूल फाँकने की कहावत चरितार्थ होती दिख रही है।

ज्ञातव्य हो कि 1982 में तत्कालीन मुख्यमंत्री राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह के कार्यकाल में जस्टिस चन्द्रशेखर प्रताप सिंह के प्रयासों से इस नहर की स्वीकृति होकर खुदाई चालू हुई।प्रारम्भ में यह नहर सिरसी बांध मिजार्पुर के कोटा रजबहा के कुरहरा हेड से निकल कर जमुहरा तक निर्मित हुई,बाद में सींकी कलां निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख बाबू कामता सिंह,अतिबल सिंह व आजाद अहमद के प्रयासों से तत्कालीन कांग्रेस शासन में इसे सींकी कला गांव के अंतिम छोर बछड़ा बांध तक कुल 22.6किलोमीटर तक बढ़ाया गया। 1989-90 में सरकार परिवर्तन के बाद निर्माण कार्य मे आयी रुकावट देखकर पुनः आजाद अहमद ने जनतादल सरकार के सिंचाई मंत्री रेवती रमन सिंह से मिलकर नहर निर्माण पूरा करने हेतु बजट देने की मांग की।जिस पर स्वयं रेवती रमन सिंह नहर का दौरा करते हुये तकरीबन 50 लाख का बजट देते हुये नहर निर्माण पूरा करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। गौरतलब है कि आज उक्त नहर का अधिकांश हिस्सा एवं पुलिया आदि क्षतिग्रस्त हो गये हैं, पसना पहाड़ी पर स्थापित क्रेशर प्लांटों ने नहर का स्वरूप बिगाड़ कर कब्जा कर लिया है।मजबूरन किसानों ने अपनी जमीन भी किसानों ने उक्त प्लांटों को किराये पर दे दी है।इस नहर की सींच क्षेत्र का 95 प्रतिशत हिस्सा पहाड़ी एवं पथरीला होने के कारण किसानों को फसल बोने हेतु बरसात का ही एकमात्र सहारा रहता है।किसानों का मानना है कि अगर कोई सांसद-विधायक इस समस्या को सरकार तक पहुचाए तो इस नहर में भी पानी आने की आस जगे। आज चुनाव के समय वोट तो सब मांग रहे हैं लेकिन किसानों की इस गम्भीर समस्या के बारे में किसी का ध्यान नहीं है। इस नहर में 2021 में मांडा के उपरौध क्षेत्र में जमुहरा तक पानी आने से वहां पर धान-गेंहू की फसलें उगाई जाने लगी।लेकिन अभी पारा, बेलवनियाँ, बेलहट, मंगलापुरी, रुचई का पूरा, पसना, कपुरी, सिरियारी, बसहरा, ललई का पूरा, सींकी कला, भइयाँ आदि गांवों के किसानों को आज भी इस नहर में पानी आने की उम्मीद है कि कोई माई का लाल जनप्रतिनिधि (विधायक) इस पर ध्यान देकर नहर में पानी लाने का भगीरथ प्रयास करे।

सींकी कलां गांव के प्रगतिशील किसान आजाद अहमद का कहना है कि हमारे गांव के पूर्व प्रमुख स्व.कामता सिंह,स्व.अतिबल सिंह एवं मैं स्वयं इस नहर को धरातल पर लाने के लिए मुख्यमंत्री,मंत्री व अधिकारियों के यहाँ तक पैरवी की,सबके प्रयासों से नहर निर्माण पूरा भी हुआ लेकिन नहर पानी की एक बूंद के लिए आज भी किसान तरस रहे हैं। इस क्षेत्र को अब ऐसे जनप्रतिनिधि को जरूरत है जो इस सुखी नहर में पानी ले सके। **आजाद अहमद**

सिरियारी गांव के अशोक मिश्र अधिवक्ता का कहना है कि हमारे बचपन मे इस नहर का निर्माण हुआ लेकिन आज तक इसमें पानी नहीं आ पाया।जनसुनवाई फाउंडेशन के माध्यम से मैंने इस नहर को चालू कराने हेतु ग्रामीणों के हस्ताक्षर युक्त हजारों पोस्टकार्ड,राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य जिम्मेदार लोगों को भेजा लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अब चुनाव के समय अखबार के माध्यम से सरकार से अपील करता हूं कि इस समस्या पर ध्यान दे।
**अशोक मिश्र तहसील समन्वयक जनसुनवाई फाउंडेशन**

रुचई का पूरा के निवासी एवं वर्तमान में शहर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र धीरज का कहना है कि हमारे घर के बिल्कुल पास से ही नहर गुजरती है लेकिन हमारे खेतों में आज तक इस नहर से कभी सिंचाई नहीं हुई।घर के बुजुर्गों से पूछने पर बताते है कि तुम्हारी पैदाईश के 20 वर्ष पूर्व नहर बनी थी लेकिन कभी पानी नहीं आ पाया।हमारे गांव के ही अनुज शास्त्री ने पिछले वर्ष गोरखपुर में माननीय योगी जी से मिलकर इसे चलाने का प्रार्थनापत्र दिया था,उन्होंने अधिकारियों को आदेशित भी किया लेकिन कोई आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। **धीरज मिश्र प्रतियोगी छात्र**

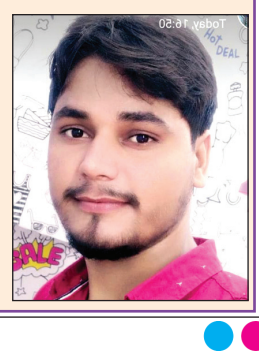

### क्षत्रिय समाज ने बैठक कर भाजपा को वोट करने की बनाई सहमति

**रत्योरा।** विधानसभा चुनाव मतदान में क्षत्रिय समाज एकजुट होकर मतदान करे इसके लिए कोरांव तहसील मुख्यालय के बगल स्थित भारत गैस एजेंसी पर क्षत्रिय समाज की बैठक संपन्न हुई। जिसमें छत्रिय समाज के जुटे लोगों ने अपने अपने विचार रखते हुए विभिन्न दलों पर अपनी राय दी। सबकी सहमति से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को मतदान करने की सहमति बनाई और राष्ट्रहित व विकास देखते हुए प्रदेश में पुनः कमल खिलाने का संकल्प लिया। क्षत्रिय समाज की बैठक में भाजपा उम्मीदवार राजमणि कोल को मतदान करने की सहमति के बाद विधायक राजमणि कोल ने पहुंचकर क्षत्रिय समाज के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक में प्रमुख रूप से कुंवर दिवाकर प्रताप सिंह उर्फ कृष्णा भैया, प्रेम सिंह, गोविंद सिंह, अवकाश प्राप्त शिक्षक वीरेंद्र प्रताप सिंह, राजीव प्रताप सिंह, राजू सिंह, अखिलेश सिंह, जीत बहादुर सिंह, पुष्पराज सिंह, राजनीत सिंह, मुन्ना सिंह, अजय सिंह, नागेंद्र सिंह समेत क्षत्रिय समाज के भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। बैठक का संचालन बीर रस के कवि बबलू सिंह बहियारी ने किया।

# विधानसभा बारा - 243 बूथों से की जाएगी वेबकास्टिंग

आलोक गुप्ता

**401 बूथों पर 334275 मतदाता करेंगे मतदान, क्रिटिकल सेंटरों की संख्या 20, लगाए गए चार जोनल और 33 सेक्टर मजिस्ट्रेट**

**अपना दल एस, सपा और बसपा सहित दर्जनभर प्रत्याशी आजमा रहे किस्मत**

**शंकरगढ़।** विधानसभा बारा में आज 242 मतदान केंद्रों के 401 बूथों पर वोट डाले जाएंगे। यहां पर कुल मतदाताओं की संख्या 334275 है। अभी तक यह सीट भाजपा के खाते में रही है। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी से अजय भारती उर्फ मुन्ना, बहुजन समाज पार्टी से डा.अजय कुमार पूर्व भाजपा विधायक,भाजपा के सहयोगी अपना दल एस से डॉ वाचस्पति, कांग्रेस से मंजू संत सहित कुल दर्जनभर प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं। बारा विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी ने कन्हैया लाल को अपना उम्मीदवार बनाया है।बारा विधान सभा चुनाव को सकुशल निटपाने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बारा विधानसभा के लिए परेड ग्राउंड से शनिवार को ही पोलिंग पार्टियों की रवानगी की गई। चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए यहां पर चार जोनल मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। इसके अलावा 33 सेक्टर मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। बारा विधानसभा में क्रिटिकल सेंटरों की संख्या 20 हैं, जिन पर चुनाव आयोग के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन की विशेष नजर है। बारा के 45 क्रिटिकल बूथों की निगरानी के लिए वीडियोग्राफी के अलावा लाइव रिकार्डिंग का भी इंतजाम किया गया है। इसका कंट्रोल रूम बारा तहसील मुख्यालय में बनाया गया है। बारा विधानसभा में कुल 243 बूथों से वेबकास्टिंग की जाएगी। इन बूथों पर होने वाली पल-पल की गतिविधि की जानकारी चुनाव आयोग के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों को भी होती रहेगी। यहां पर वीडियोग्राफी वाले 20 बूथ बनाए गए हैं। इसके अलावा 20 माइक्रो आब्जर्वरों की नियुक्ति की गई है। एसडीएम बारा सौम्या गुरुरानी ने बताया कि चुनाव से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों पर पहुंच रही हैं। बूथों पर आवश्यकता के सभी इंतजाम हो गए हैं।

### बरांव स्टेट विधान सभा करछना बना आकर्षण बूथ

**करछना।** विधान सभा चुनाव में रविवार को जहां वोटिग का कार्य सुवह शुरू होंगी, वहीं करछना तहसील क्षेत्र में बराव स्टेट के नाम से जाना जाने वाले गांव बरांव में पूर्व माध्यमिक विद्यालय में मतदेय स्थल बनाया गया । जिसे आदर्श एवं आकर्षक बूथ को प्रदर्शित करने में गांव के प्रधान बंजरगी नें अपने गांव का नाम आदर्श बनाने के लिए सराहनीय सहयोग करने भूमिका निभाई हैं।

# अधिकारियों ने पोलिंग पार्टियों के रवानगी स्थलों का किया निरीक्षण

## पोलिंग बूथों के अंदर मोबाइल फोन पूर्णतः वर्जित, मण्डलायुक्त ने मॉकपोल को समय से कराये जाने के दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

पोलिंग पार्टियों की जानकारी लेते जिला निर्वाचन अधिकारी /जिलाधिकारी

ईवीएम मशीन को लेकर पोलिंग बूथ जा रहे कर्मचारी

**प्रयागराज।** मण्डलायुक्त संजय गोयल, एडीजी जोन प्रेम प्रकाश, आईजी डॉ0 राकेश सिंह, जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री शनिवार को विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल एवं निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराने के लिए पोलिंग पार्टी की रवानगी स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने एम0एन0एन0आई0टी0 जहां से फाफामऊ एवं सोरांव विधानसभा के लिए पोलिंग पार्टी रवाना होना था, वहां पर पहुंच कर आर0ओ0/ए0आर0ओ0 तथा सेक्टर मजिस्टेटों द्वारा करायी जा रही पोलिंग पार्टियों की रवानगी की व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा सेक्टर मजिस्टेटों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। तत्पश्चात उन्होंने एम0एन0आर0आई0पी0टी0 प्रिंटिंग कालेज पहुंचे, जहां से फूलपुर विधानसभा के लिए पोलिंग पार्टी की रवानगी की जानकारी लेते हुए सभी सेक्टर मजिस्टेटों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इसी क्रम में परेड ग्राउंड पहुंचकर हण्डिया, प्रतापपुर, करछना, मेजा, कोरांव एवं बारा विधानसभा की पोलिंगपार्टियों की रवानगी की व्यवस्थाओं एवं कार्रवाईयों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्टेटों तथा पीठासीन अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की जो गाइड लाइन है, उसका शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कोविड-19 के दृष्टिगत मास्क, सैनेटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग आदि का विशेष ध्यान दिए जाने के लिए कहा है साथ ही साथ उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसी को भी बूथ के अंदर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मोबाइल फोन ले जाना पूर्णतः वर्जित रहेगा तथा किसी को भी सेल्फी लेना होगा, तो पोलिंग बूथ के बाहर जहां सेल्फी प्वाइंट होगा, वहीं पर सेल्फी आदि ले सकेंगे। इसी क्रम में के0पी0 इण्टर कालेज पहुंचकर वहां से तीन विधान सभा इलाहाबाद उत्तरी, इलाहाबाद दक्षिणी, इलाहाबाद पश्चिमी की पोलिंग पार्टी रवानगी की व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्टेटों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सकुशल एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराये जाने के लिए कहा है। सायं 04:30 बजे तक पोलिंग पार्टियों की रवानगी सुनिश्चित करा दी गयी है।

## चुनाव प्रचार पर खर्च करने में भाजपा के राजमणि सबसे आगे

**प्रयागराज।** चुनाव प्रचार पर खर्च करने के मामले में कोरांव से भाजपा प्रत्याशी राजमणि सबसे आगे हैं। शुक्रवार तक वह 25 लाख 70 हजार रुपये खर्च कर चुके थे। इसके विपरीत इस विधानसभा में सबसे कम खर्च करने वाले प्रत्याशी ने 5500 रुपये का विवरण दिया है।फूलपुर से भाजपा के ही उम्मीदवार प्रवीण पटेल ने 20 लाख 31 हजार रुपये खर्च किए हैं। प्रवीण ने अपने विधानसभा में सबसे अधिक खर्च किया है लेकिन पूरे जिले में दूसरे स्थान पर हैं। बारा से अपना दल एस के वाचस्पति ने सबसे अधिक 17.22 लाख रुपये खर्च किए हैं और पूरे जिले में वह तीसरे स्थान पर हैं।सपा के हंडिया प्रत्याशी हाकिम लाल बिंद ने 17.22 लाख, दक्षिणी में रईस चंद्र शुक्ला ने 14.97 लाख, फाफामऊ के अंसार अहमद ने 13.12 लाख, करछना के उज्जवल रमण सिंह ने 12.08 लाख, मेजा के संदीप सिंह ने 10.13 लाख, सोरांव की गीता शास्त्री ने 9.50 लाख रुपये खर्च किए। इन प्रत्याशियों ने अपने-अपने विधानसभा में सबसे अधिक राशि खर्च की है। उत्तरी में सबसे अधिक 15.59 लाख रुपये बसपा के संजय गोस्वामी ने खर्च किए हैं। प्रतापपुर में बसपा के घनश्याम पांडेय ने सबसे अधिक 13.44 लाख तथा पश्चिमी में गुलाम कादिर ने 9.44 लाख रुपये खर्च किए हैं। शहर दक्षिणी में भाजपा प्रत्याशी नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने अब तक 7.26 लाख रुपये खर्च किए हैं।

### 33 प्रत्याशियों ने नहीं दिया हिसाब....

विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों को तीसरे चरण के खर्च का विवरण शुक्रवार को जमा करना था लेकिन कुल 169 में से 33 नहीं पहुंचे। विवरण न देने वालों में करछना से भाजपा प्रत्याशी पीयूष रंजन निषाद, कांग्रेस की रिंकी पटेल, सोरांव से कांग्रेस उम्मीदवार मनोज कुमार पासी भी शामिल हैं। आम आदमी पार्टी के भी दो उम्मीदवारों ने खर्च का विवरण नहीं दिया है।

# प्रत्याशियों के साथ इस बार का चुनाव लड़ रही गोदी मीडिया

अनूप मिश्रा

**प्रयागराज।** प्रयागराज में चार दशक से सक्रिय वरिष्ठ राजनीतिक पत्रकार डॉ. सुधाकर पांडेय कहते हैं, लगता है कि इस बार का चुनाव प्रत्याशियों के साथ गोदी मीडिया भी लड़ रही है खबरों में सत्तारूढ़ दल की खुलेआम तरफदारी करने की वजह से एक सम्मानित अखबार से जनता का भरोसा टूटता जा रहा है। कुछ ऐसी ही स्थित उन खबरिया चैनलों की है जो भाजपा प्रत्याशियों की घोषणा से पहले ही प्रयागराज की सभी सीटें मोदी-योगी की झोली में डालते आ रहे हैं। प्रयागराज का हाल यह है कि साल 2017 की तुलना में इस बार भाजपा कमजोर दिख रही है। इस बार प्रयागराज में सभी सीटों पर भाजपा को सपा के उम्मीदवार टक्कर दे रहे हैं इस बार 2017 की लहर देखने को नहीं मिली ' सपा गठबंधन के प्रत्याशी प्रयागराज के अलावा समूचे पूर्वांचल में भाजपा को कायदे से टक्कर दे रहे हैं। इस बार प्रत्याशियों के बारे में क्या कहूं लेकिन अगर पिछले चुनाव से तुलना करें तो भाजपा के पक्ष में होने वाले वोटिंग प्रतिशत में कमी आएगी। यह कमी नतीजों पर कितना असर डालेगी, यह तो दस मार्च को ही साफ हो पाएगा।प्रयागराज के शहरी मतदाताओं पर आज भी भाजपा का प्रभाव ज्यादा है, लेकिन जैसे-जैसे आप ग्रामीण अंचल में आगे बढ़ते हैं, वैसे-वैसे मतदाताओं का रुख सपा गठबंधन के प्रत्याशियों की ओर मुड़ने लगता है। वैसे भी पांचवें चरण में होने वाले मतदान पर पिछले चरणों के माहौल का काफी असर पड़ता है। आखिरी दिन तक मतदाता का मन भी बदलता है। इसलिए निश्चित तौर पर सिर्फ.इतना कहा जा सकता है कि प्रयागराज की ज्यादातर सीटों पर भाजपा कड़े मुकाबले में फंसी हुई है। भाजपा की देखा जाए तो 2017 में जिस प्रकार मोदी मैजिक चल रहा था उस प्रकार 2022 में मोदी मैजिक चलती नजर नहीं आ रही है मगर भाजपा प्रत्याशी अपने ऊपर कम बड़े नेताओं पर ज्यादा भरोसा किए हुए देखे गए एक नेता की रैली खत्म नहीं हुई , दूसरे नेता की रैली क्षेत्र में तैयार थी पूरे मंडल में देखा जाए तो इस बार पीएम नरेंद्र मोदी की जितनी भी रैलियां हुई हैं, उनमें माकूल भीड़ नहीं जुट पाई। अगर किसी रैलियों में भीड़ जुटी भी है तो कई विधानसभा तथा कई जिले के कार्यकर्ता और नेता भीड़ जुटाए अगर पश्चिम उत्तर प्रदेश में भाजपा हारेगी तो प्रयागराज का नतीजा भी वैसा ही आएगा।

# बर्खास्त रोडवेज चालक को 40 फीसदी पूर्ववेतनमान देने के निर्देश : हाईकोर्ट

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक (एमडी) को 1991 में बर्खास्त किए गए चालक को राहत दी है। कोर्ट ने कहा कि बर्खास्त चालक को 40 फीसदी पूर्व वेतनमान का भुगतान किया जाए।साथ ही उसकी बर्खास्तगी के समय जो भी बकाया हो, उसे बिना किसी कटौती के भुगतान किया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट ने लाहिरी सिंह (चालक) की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।मामले में याची (चालक) पर आरोप था कि खुर्जा से अलीगढ़ जाते समय बस में 21 यात्री सवार थे, लेकिन किसी केपास टिकट नहीं था। 15 यात्रियों का ब्योरा नहीं था। याची और परिचालक दिनेश कुमार ने यात्रियों को भड़काकर जांच में बांधा उत्पन की। इसके अलावा बिल भर भी हस्ताक्षर नहीं किए। जिसकी वजह से निरीक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बस को भी निर्धारित गंतव्य तक नहीं ले जाया गया। मामले में निगम ने आंतरिक जांच कराई तो आरोप सही पाया गया और चालक को 1991 में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। मामले में श्रम न्यायालय ने विभागीय जांच को सही मानते हुए याची को कोई राहत नहीं दी। इस पर याची ने हाईकोर्ट केसमक्ष आवेदन किया। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए बिना टिकट यात्रियों को ले जाने के मामले में कदाचार का दोषी माना, लेकिन बाकी अन्य मामलों में बेकसूर करार देते हुए 40 फीसदी पूर्ववेतनमान देने का आदेश दिया। कोर्ट ने यूपीएसआरटीसी के एमडी को निर्देशित किया कि वह उक्त लाभ याची या उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को चार महीने के भीतर प्रदान कर दें।

# संवेदनशील केंद्रों पर तैनात होंगे स्नाइपर असलहों से लैस रहेंगे मुस्तैद जवान

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** पांचवें चरण के विधानसभा चुनाव के लिए 27 फरवरी को मतदान शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए तगड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। अन्य इंतजामों के साथ ही इस बार चिह्नित किए गए 351 संवेदनशील मतदान केंद्रों पर स्नाइपर तैनात किए जाएंगे।अत्याधुनिक असलहों से लैस यह जवान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने में पूरी तरह सक्षम होंगे। इसके अलावा सभी मतदेय स्थलों पर अर्धसैनिक बल के जवान तैनात किए गए हैं।जिले में कुल 12 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होना है। इसके लिए दो हजार से ज्यादा मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जबकि पांच हजार से ज्यादा मतदेय स्थल स्थापित किए गए हैं।इनमें से कुल 351 मतदान केंद्र संवेदनशील चिह्नित किए गए हैं। पिछले चुनावों में हुई घटनाओं, संबंधित क्षेत्रों में आपराधिक तत्वों, पाबंद किए गए लोगों की संख्या के आधार पर इन केंद्रों को संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है।इन केंद्रों पर सुरक्षा के लिहाज से विशेष चौकसी बरती जाने का निर्णय लिया गया है। इन केंद्रों पर अर्धसैनिक बल के जवानों के साथ ही स्नाइपर भी तैनात किए जाएंगे।अत्याधुनिक असलहों से लैस यह जवान हाई अलर्ट मोड पर रहेंगे और किसी भी अप्रिय स्थिति में त्वरित कार्रवाई करेंगे। पुलिस अफसरों का कहना है कि मतदान को प्रभावित करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। चुनाव ड्यूटी में तैनात जवानों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि उपद्रव करने वालों पर त्वरित कार्रवाई करें।

### तीन हजार से ज्यादा बूथों पर वेबकॉस्टिंग

पुलिस अफसरों ने बताया कि जिले में कुल तीन हजार से ज्यादा बूथों पर वेबकॉस्टिंग की जाएगी। यह वह बूथ हैं संवेदनशील औरअतिसंवेदनशील की श्रेणी में रखे गए हैं। इनमें बूथ के भीतर और बाहर कैमरे लगाए गए हैं जिनके जरिए मतदान प्रक्रिया की लाइव फीड जिला निर्वाचन नियंत्रण कक्ष के माध्यम से राज्य व केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भेजी जाएगी।इसका ट्रायल दो दिन पहले ही कर लिया गया है। उधर जिला निर्वाचन नियंत्रण कक्ष में बैठे अफसर भी संवेदनशील व अतिसंवेदनशील केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया पर नजर बनाए रखेंगे। इसके अलावा 200 से ज्यादा बूथों पर वीडियोग्राफी कराई जाएगी।

### शाम को ही मुस्तैद हुई फोर्स

अर्धसैनिक बल के जवानों के साथ ही बाहर से आई पुलिस फोर्स शनिवार शाम से ही मुस्तैद हो गई। जवानों को सुबह ही रवाना कर दिया गया था जो शाम तक अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंच गए। शाम को मतदान केंद्रों पर ही उन्हें एक बार फिर दिशा-निर्देश जारी किए गए और इसकेबाद से जवानों ने मोर्चा संभाल लिया।

# डॉ. एसपी सिंह 16.30 घंटे में 107 आपरेशन करके बनाया विश्व कीर्तिमान

अखंड भारत संदेश

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस पी सिंह

**प्रयागराज।** जुनून हो तो कोई भी रिकार्ड तोड़ना मुश्किल नहीं होता है। मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज के प्राचार्य एवं मनोहर दास नेत्र चिकित्सालय के निदेशक प्रो. एसपी सिंह ने साढ़े 16 घंटे में लगातार 107 आपरेशन करके विश्वकीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने फेकोइमलसिफिकेशन सर्जरी विथ आईओएसल इम्लानटेंशन के जरिए इस कीर्तिमान को हासिल करने में सफलता प्राप्त की है। एक दिन में सबसे अधिक सर्जरी करने के अपने रिकार्ड को लेकर प्रो. एसपी सिंह ने बताया कि उन्होंने सुबह छह बजे से साढ़े 10 बजे तक लगातार आपरेशन करके यह कीर्तिमान स्थापित किया है। सभी सर्जरी निशुल्क हुई है। बताया कि अभी तक 2001 में 11 घंटे में 81 मोतियाबिंद की सर्जरी ईसीसीई विधि से करके उन्होंने अपना नाम लिम्का बुक आफ रिकार्ड में अपना नाम शामिल कराया था। इसके पहले सलाहकार और नेत्र विज्ञान के प्रमुख सेना अस्पताल अनुसंधान एवं रेफरल, नई दिल्ली ब्रिगेडियर डॉ. जेकेएस परिहार ने 2011 में पूर्वी लद्दाख में सीमा पर उच्चतम मोतियाबिंद सर्जरी शिविर में 34 फेकोइमल्सीफिकेशन सर्जर कर विश्व रिकार्ड बनाया था। साथ ही उनका नाम लिम्का बुक आफ रिकार्ड में भी दर्ज है।प्रो. एसपी सिंह ने बताया कि उन्होंने 2016 में बिग्रेडियर डॉ. जेकेएस परिहार के रिकार्ड को तोड़ते हुए 2016 में एक दिन में 52 फेकोइमल्सीफिकेशन सर्जरी की थी। शुक्रवार को उन्होंने अपने ही 2016 के रिकार्ड को तोड़ते हुए एक दिन में 107 फेकोइमल्सीफिकेशन सर्जरी की। उन्होंने बताया कि इस रिकार्ड को बनाने और कार्य को निष्ठा सेकरने की प्रेरणा उनको पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से मिली है।

# हाईकोर्ट में 13 मृतक आश्रितों को मिली नौकरी

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 13 मृतक आश्रितों को नौकरी प्रदान की है। यह जानकारी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव देवेंद्र पाल सिंह और वरिष्ठ उपाध्यक्ष राशिद जावेद ने दी।एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि मृतक आश्रितों में रूप नारायण, मोहम्मद आकिब, गीता देवी, पवन कुमार, वंश सिंह, अखिलेश यादव, काजल सिंह, राजू कुमार गौड़, सविता, राज कुमार पुष्पाकर, अमन अली, विनोद शर्मा, नलिन कुमार शामिल हैं। मृतक आश्रितों को नियुक्ति मिलने पर कामता प्रसाद मिश्रा, शिवाजी प्रसाद, अंजनी शर्मा, तृप्ति सोनकर, बदन सिंह, राम बहादुर पाल, दया शंकर सिंह, भीम राम ने हाईकोर्ट के महानिबंधक का आभार जताया है।

# कोराव में चतुष्कोणीय लड़ाई....

## हर वर्ग सभी प्रत्यासियों को दे रहे तसल्ली, शिवसेना की लड़ाई रोचक,पंजा सायकिल हाथी कमल का फूल तीर कमान चर्चे में

अखंड भारत संदेश

**कोराव।** कोरांव विधान सभा सीट पर चुनावी जंग अंतिम पायदान पर आ गई है। कांग्रेस की विशाल रैली और शिवसेना की सक्रियता ने एक नई इबारत लिखने जा रही है। कोराव की इस सुरक्षित सीट पर सपा और भाजपा की लड़ाई घमासान थी, किन्तु बीएसपी प्रत्यासी और कांग्रेस तथा सिवसेना कंडी डेट ने लड़ाई का रुख मोड़ दिया है। जिससे प्रत्यासियों और उनके समर्थक कार्यकर्ता पेशोपेस में आ गए हैं। भाजपा की प्रत्यासी रहीं श्रीमती आरती कोल को भाजपा ने अंतिम दौर में झटका दे दिया तो सपा ने भी रामकृपाल कोल को झटका दे दिया। जिससे दोनों प्रत्यासी सक्रियता से चुनावी जंग में नजर आ रहे हैं। और सपा तथा भाजपा की गुणा गणित गड़बड़ा रहे हैं। इसका फायदा बीएसपी उठाना चाह रही है। किंतु राहुल गांधी की विशाल रैली ने रामकृपाल कोल की तरफ वोटर भागने की स्थिति में आ गए जिससे जंग चतुकोणी हो गई है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राम अवध कुशवाहा का खेमा भरी संख्या में रामकृपाल कोल कांग्रेस प्रत्यासी की तरफ डाइवर्ड हो गया है। माइनोरिटी भी डिवाइड हो जा रही,जिससे कांग्रेस मजबूत स्थिति में हो जा रही है। बीएसपी ब्राह्मण वोटरों को अपने पाले में करना चाहती है। लेकिन बीएसपी से जुड़े कुर्मी वोटर कार्यकर्ता ब्राह्मणों के चलते दूसरे प्रत्यासी की तरफ डायवर्ड होते दिख रहे। दरअसल कोराव में ब्राह्मण कुर्मी एकसाथ बहुतायत में किसी पार्टी में नहीं जुड़ सकते। शिवसेना ने कोराव में अपना स्तंभ मजबूत करने के लिए नारी के सम्मान में शिवसेना मैदान में नारे लगा रही है,और काफी लोगों के दिलों में अपना घर बना रही है। जिससे भाजपा की भारी कोलो की जमात आरती कोल शिवसेना प्रत्यासी के समर्थन में पलायन कर रहे हैं और असंतुष्ट कोल वोटर्स रामकृपाल कोल को प्रथम स्थान पर ला दिए हैं। पूरे प्रदेश में सपा गठबंधन की लहर भले ही तिब्र हो किंतु कोराव में चतुकोर्णीय लड़ाई पर ला कर खड़ा कर दिया है। बीएसपी और भाजपा के कथित संबंधों से भयभीत अल्पसंख्यक भी जो बीएसपी खेमे में कभी था वो अब सपा या कांग्रेस की तरफ मोड़ ले लिया है। कोरांव में कांग्रेस का वजूद सिर्फ रामकृपाल कोल कैंडिडेट के व्यक्तिगत क्षेत्रीय होने के नाते कायम हो गया है। चतुर कोणीय लड़ाई में कौन बाजी मार लेगा यह तो नहीं कहा जा सकता किंतु मत दाता इस बार बहुत ही सूझ बूझ का परिचय दे रहा है।

कोरांव के सभी बूथों पर पोलिंग पार्टियां रवाना हो कर वोटिंग कार्य में सुबह सुबह लग गई हैं। लेकिन मतदाता क्या गुल खिलाएंगे यह तो भविष्य के गर्भ में है,किंतु प्रत्यासियों के माथे पर चिंता की लकीरें जरूर नजर आ रही हैं। सभी प्रत्यासी भाजपा की नीतियों का जन विरोधी करार दे कर मैदाने जंग में है,भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो चुनाव के समय भी बुल्डोजर तैयार रखने की धमकी जनता के बीच दे रही है। और अन्य पार्टियां किसान बेरोजगार व्यापारी विरोधी करार दे रही है। फिलहाल आज वोटर्स प्रत्यासियों के भाग्य का फैसला कर रहे हैं जो 10 मार्च को रिजल्ट आएगा।

# गाजियाबाद के नगर आयुक्त, राज्य अधिकारी तलब

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** सेवानिवृत्त कर्मचारी के देयों का भुगतान न होने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के नगर आयुक्त और राज्य अधिकारी को तलब किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि दोनों अधिकारी आठ मार्च को कोर्ट के समक्ष उपस्थित हों। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने विजय कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।कोर्ट में याची के अधिवक्ता आशुतोष गुप्ता ने तर्क दिया कि याची 2019 में ही सेवानिवृत्त हो गया, लेकिन उसे आज तक सभी देयों का भुगतान नहीं किया गया। कोर्ट ने मामले में नगर आयुक्त को भुगतान का आदेश दिया था। लेकिन भुगतान न होने पर उन्हें पेश होने का निर्देश दिया है।कोर्ट ने कहा है कि जब सेवानिवृत्त कर्मचारी को समस्त देयों के भुगतान का आदेश दिया तो उसका पालन क्यों नहीं किया गया। कोर्ट ने इस पर नगर आयुक्त से स्पष्टीकरण मांगा है।

### सड़क हादसे में घायल हुए दो पत्रकार

**कौशांबी।** जिले के करारी क्षेत्र के रहने वाले दो पत्रकार सड़क हादसे में घायल हो गए हैं जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है पत्रकार इन्द्रजीज गौतम और जैगम रिजवी दोनो लोग शनिवार की देर रात दुर्घटना में घायल हो गए है दोनों पत्रकार बाइक से घर वापस जा रहे थे घायल जैगम रिजवी और इंद्रजीत गौतम को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

### हनुमान मंदिर में महिला के गले से चेन खींची

**प्रयागराज।** बंधवा स्थित बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन को गई विमला देवी (50) के गले से सोने की चेन खींच ली गई। उनके पति राजेश शुक्ला ने बताया कि वह मूल रूप से जौनपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि वह पत्नी विमला के साथ दर्शन करने हनुमान मंदिर गए थे।प्रसाद चढ़ाकर वापस आने पर देखा कि उनकी पत्नी की चेन चोरी हो गई है। मंदिर में मौजूद महिला सिपाहियों को जानकारी देने पर उन्होंने कहा कि पहले एफआईआर दर्ज कराइए। इसके बाद सीसीटीवी कैमरा चेक होगा। दारागंज पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

### दुकान से 50 हजार नगदी समेत सामान चोरी

**प्रयागराज।** सिविल लाइंस में पान मसाला की थोक दुकान से 50 हजार नगद व दो बंडल सिगरेट चोरी कर ली गई। संचालक कूपर रोड निवासी राकेश यादव ने सिविल लाइंस थाने में अज्ञात में केस दर्ज कराया है।

# इलाहाबाद विवि परिसर में बीएससी के छात्र को बेल्ट से पीटा, सात पर केस

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** इलाहाबाद विश्वविद्यालय में बीएससी के छात्र रिषभ पांडेय को सरेआम बेल्ट और रॉड से पीटा गया। बीचबचाव करने पहुंचे अभिजीत सिंह पर भी रॉड से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया। पुलिस सात हमलावरों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश में जुटी है।अंबेडकरनगर का रहने वाला रिषभ बीएसएसी द्वितीय वर्ष का छात्र है। उसने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह विवि में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से आयोजित मतदाता जागरूकता रैली में गया था। वहां प्रोफेसर के कहने पर वह छात्रों को लाइन में खड़े होने को कह रहा था।इसी दौरान रोहित यादव ने खुद को सीनियर बताते हुए उसे गालियां देने लगा और वहां से चला गया। अगले दिन विवि जाने पर रोहित ने 15-20 साथियों संग मिलकर उस पर हमला बोल दिया।उसे सरेआम रॉड और बेल्ट से पीटा। बीचबचाव पर उसके दोस्त पर भी हमला किया। हमलावरों में रोहित के अलावा मिथिलेश, आयुष, ऐरिश, मोहित, राहुल, किश्नय, श्रवण और अन्य शामिल थे। कर्नलगंज पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

# इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के आंदोलित छात्रों ने तोड़ा आमरण अनशन परिसर में निकाला कैंडल मार्च

**प्रयागराज।** इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में 22 अप्रैल से आफलाइन मोड में प्रस्तावित परीक्षा के विरोध में आमरण अनशन पर बैठे छात्रों ने अब आमरण अनशन तोड़ दिया है। फिलहाल छात्र अभी भी परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर डटे हैं। शनिवार देर रात छात्रों ने परीक्षा समिति के निर्णय के विरोध में परिसर में कैंडल मार्च निकाल विरोध दर्ज कराया। छात्र अपनी जिद पर अड़े हैं कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती वह उठने वाले नहीं हैं।

### अब तक उच्चस्तरीय कमेटी भी नहीं ले सकी कोई निर्णय

परीक्षा समिति के निर्णय के बाद से छात्र आंदोलनरत हैं। इनकी मांग है कि जब कक्षाएं आनलाइन मोड में संचालित हुई हैं तो परीक्षाएं भी आनालाइन मोड में कराई जाएं। हालांकि, इवि प्रशासन इसका पक्षधर नहीं है। छात्रों का आंदोलन तेज हुआ तो डीन साइंस प्रो. शेखर श्रीवास्तव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय कमेटी गठित कर दी गई। अब तक कमेटी कोई निर्णय भी नहीं ले सकी। यही नहीं इवि प्रशासन भी इस मसले पर अभी कुछ भी बोलने से कतरा रहा है। शुक्रवार को आमरण अनशन पर बैठे सभी छात्रों की हालत बिगड़ गई तो छात्रों आमरण अनशन तोड़ दिया। तमाम छात्रों का अभी भी इलाज चल रहा है।शनिवार रात छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से केंद्रीय पुस्तकालय, भूगोल विभाग, चीफ प्राक्टर कार्यालय, राजनीति विज्ञान विभाग, संस्कृत विभाग होते हुए उर्दू विभाग होते हुए छात्रसंघ भवन तक कैंडल मार्च निकाला। वहां शहीद लाल पद्मधर को श्रद्धांजलि दी और वापस परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर क्रमिक अनशन पर बैठ गए।

# जिले के 1812 बूथों पर मतदान को पोलिंग पार्टियां रवाना

## एटीएल से 1814 वाहनों से मतदान केन्द्रों तक भेजी गई पोलिंग पार्टियां

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** आज शनिवार को एटीएल ग्राउण्ड से 1812 बूथों पर मतदान कराने के लिये पोलिंग पार्टियां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुई। एटीएल में मेला जैसा दृश्य लगा हुआ था। डेढ़ हजार से अधिक वाहन क्रम से खडे.थे। हर विधान सभा क्षेत्र के लिये अलग-अलग पण्डाल से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जा रहा था।

कुछ मतदान पार्टियों को अपना वाहन ढूंढने में दिक्कतें हुई लेकिन स्टाल पर पुनः जानकारी लेने पर माइक से एनाउंस करके गाड़ी नम्बर बताया गया। बता दें कि जिले में 1671 मतदान केन्द्रों के 2812 बूथों पर रविवार को प्रातः सात बजे से मतदान होगा। जिले में 24 लाख 50 हजार 962 मतदाताओं के मतदान की व्यवस्था की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 नितिन बंसल ने मतदान को सुचारु रुप से चलाने के लिये 217 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 31 जोनल मजिस्ट्रेज्ट तैनात किये हैं। इसके अलावा 21 उड़नदस्ते और स्थायी निगरानी समितियां बनाई गई है। जिले के सात विधान चुनाव में मतदान के दिन 1814 वाहनों की व्यवस्था की गई है। शनिवार को एटीएल में पूर्वान्ह दस बजे अधिकारी व पोलिंग पार्टियां पहुंच गई थी। पूरा एटीएल ग्राउण्ड भरा हुआ था। वहां मेला जैसा दृश्य दिखाई दे रहा था। एटीएल में जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल तथा प्रेक्षकगण भी मौजूद रहे। नगर पालिका की ओर से एटीएल में मोबाइल टॉयलेट तथा पानी के कई टैंकर मुहैया कराये गये थे। जिलाधिकारी ने सातों विधान सभा क्षेत्र के प्रेक्षकों के नाम व उनके मोबाइल नम्बर सार्वजनिक किये हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता से चुनाव कराया जायेगा। चुनाव में खलल डालने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

एटीएल ग्राउण्ड से रवाना होती पोलिंग पार्टियां।

### कुण्डा व बाबागंज के आधे मतदान केन्द्रों पर आयोग की नजर

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** इस बार के विधान सभा चुनाव में कुण्डा व बाबागंज के 50 प्रतिशत बूथों की बेव कास्टिंग कराई जाएगी। इसके लिये बूथों का चयन कर लिया गया है। बता दें कि चुनाव आयोग कुण्डा, बाबागंज के अलावा रामपुर खास व पट्टी को भी संवेदनशील मानकर व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

### यूक्रेन व रूस में बमबारी के बीच फंसे जिले के दो मेडिकल छात्र, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़/परियावां।** थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के चिलबिला निवासी प्रतिष्ठित कारोबारी रामजी जयसवाल का बेटा सुधांशु चंद्रा इन दिनों यूक्रेन में मेडिकल छात्र के रूप में चैथे साल की पढ़ाई कर रहा है। ग्रुप 09 मैं हेरोइव कुर्त में 17/ए ट्रेस्कोवा, ओडिसा, यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे सुधांशु चंद्रा के लिए पूरा परिवार बेहाल है। पिता रामजी जायसवाल ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है कि उनके बेटे को भी जल्द से जल्द भारत वापस लाया जाए। बता दें कि रूस एवं यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध के कारण लोगों में भय व्याप्त है। जब से युद्ध की जानकारी परिजनों को मिली है बेटे की सुरक्षा को लेकर 24 घंटे परिवार चिंता में डूबा हुआ है। मां सुधा दिन-रात बेटे के लिए प्रार्थना के साथ साथ विदेश मंत्रालय से वह आस लगाए हुए हैं कि उनके बेटे को जल्द ही हिंदुस्तान वापस लाया जाएगा। परियावां प्रतिनिधि के अनुसार रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग के बीच जनपद प्रतापगढ़ के कुंडा तहसील के नवाबगज थाना क्षेत्र के परियावां निवासी शाहनवाज पुत्र मो0 शमीम मंसूरी (मन्ना) फंसे हुए हैं। रह रहकर बमो की आवाज से सहमे हुए है।

परियावां निवासी शाहनवाज

शाहनवाज के पिता शमीम मंसूरी ने बताया कि शाहनवाज यूक्रेन में एमबीबीएस की तैयारी कर रहा है जो जून 2018 में गया था, जो बीच में आकर फिर वापस चला गया। लगभग तीन साल से वापस यूक्रेन से नही आया। रूस व यूक्रेन के बीच छिड़ी लड़ाई में फंस गया है। मोबाइल में नेटवर्क न रहने से मैसेज भेजकर हालात बता रहा है। शाहनवाज को लेकर उनके परिजन लोग परेशान हो रहे हैं और अल्लाह से दुआ कर रहे हैं कि मेरे लड़के के साथ जितने भी भारतीय छात्र फंसे हुए हैं, सभी सही सलामत वापस अपने घर पहुँचे। शाहनवाज इन दिनों यूक्रेन की राजधानी कियु के मेन शहर के स्कूल के अंदर बने ग्राउंड में सायरन बजते ही छिप जाते हैं जिसमें दोनों तरफ से हो रही बमबारी की आवाज साफ सुनाई देती है। शहनवाज की माँ अपने बेटे के लिए अल्लाह से दिन रात सोते उठते बैठते दुआ मांग रही है कि मेरे बेटा जल्द वापस घर आ जाए।

## चार विधानसभाओं के प्रत्याशियों के निर्वाचन व्यय रजिस्टर का हुआ निरीक्षण

### व्यय प्रेक्षकों ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** वरिष्ठ कोषाधिकारी/जिला नोडल अधिकारी निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण प्रकोष्ठ दीपक बाबू ने बताया है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के क्रम में विधानसभा बाबागंज व कुण्डा के अभ्यर्थियों से सम्बन्धित निर्वाचन व्यय रजिस्टर का तृतीय निरीक्षण व्यय प्रेक्षक स्मिता वी नायर (आई0आर0एस0) द्वारा तथा विधानसभा विश्वनाथगंज, प्रतापगढ़ के अभ्यर्थियों से सम्बन्धित निर्वाचन व्यय रजिस्टर का तृतीय निरीक्षण व्यय प्रेक्षक एस0एम0 सुरेन्द्रनाथ (आई0आर0एस0) द्वारा किया गया जिसमें सम्बन्धित अभ्यर्थियों/उनके प्रतिनिधियों द्वारा 23 फरवरी तक के व्यय रजिस्टर प्रस्तुत किये गये।

विधानसभा बाबागंज के प्रत्याशियों/अभ्यर्थियों के व्यय रजिस्टर की जांच में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के विनोद कुमार द्वारा 1168307 रुपए, इण्डियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी बीना रानी द्वारा 651376, निर्दलीय विनोद कुमार द्वारा 45316 रुपए, निर्दलीय प्रत्याशी सीताराम द्वारा 49390 रुपए, भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी केशव प्रसाद द्वारा 1007571.90 रुपए, समाजवादी पार्टी के गिरीश चन्द्र द्वारा 930548 रुपए, बहुजन समाज पार्टी के सुशील कुमार द्वारा 333856 रुपए, लोक जनशक्ति पार्टी के विजय पाल सरोज द्वारा 27730 रुपए व बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रत्याशी राम प्रताप सरोज द्वारा 280492 रुपए की धनराशि व्यय की गयी। विधानसभा कुण्डा के समाजवादी पार्टी के गुलशन यादव द्वारा 904253 रुपए, बहुजन समाज पार्टी के मु0 फहीम द्वारा 188272, कांग्रेस प्रत्याशी योगेश कुमार द्वारा 1006000 रुपए, भारतीय जनता पार्टी की सिन्धुजा मिश्रा सेनानी द्वारा 1198954, बहुजन मुक्ति पार्टी के धर्मराज द्वारा 19960, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी रघुराज प्रताप सिंह द्वारा 1224416, निर्दलीय जयेश सिंह द्वारा 80200, निर्दलीय हरिवंश कुमार द्वारा 31146 रुपए, निर्दलीय प्रत्याशी तनवीर द्वारा 12100, निर्दलीय धीरेन्द्र कुमार द्वारा 13810 व निर्दलीय सीमा द्वारा 40000 रुपए की धनराशि व्यय की गयी। विधानसभा विश्वनाथगंज के कांग्रेस प्रत्याशी प्रशान्त सिंह द्वारा 871952 रुपए, बहुजन समाज पार्टी के संजय त्रिपाठी द्वारा 430030 रुपए, सुभाष पार्टी के सुशील कुमार त्रिपाठी द्वारा 18396 रुपए, राष्ट्र उदय पार्टी के सरिता पाल द्वारा 69729 रुपए, बहुजन मुक्ति पार्टी के रामदरश सरोज द्वारा 43774 रुपए, शिवसेना के सुशील कुमार शुक्ला द्वारा 45493, जन अधिकार पार्टी के अशफाक द्वारा 427773, आम आदमी पार्टी के पंकज यादव द्वारा 57806, निर्दलीय संजय पाण्डेय द्वारा 756995, कम्युनिस्ट पार्टी आफ इण्डिया के महारानी दीन द्वारा 32409 रुपए, मौलिक अधिकार पार्टी के शिवमूर्ति समुझ द्वारा 35297, भारतीय सर्वजन पार्टी के अजय शर्मा द्वारा 21202, निर्दलीय राजेश द्वारा 17600, लोक पार्टी के अनिल कुमार द्वारा 20000, अपना दल (एस) जीतलाल द्वारा 558710, समाजवादी पार्टी के सौरभ सिंह द्वारा 317361, निर्दलीय विष्णुदत्त द्वारा 20270, निर्दलीय मो0 खालिद द्वारा 14070 व राष्ट्रीय जनशान्ति पार्टी के विनोद कुमार पाण्डेय द्वारा 53760 रुपए की धनराशि व्यय की गयी। इसी प्रकार विधानसभा प्रतापगढ़ के प्रत्याशियों/अभ्यर्थियों के व्यय रजिस्टर की जांच में अपना दल (कमेरावादी) की प्रत्याशी कृष्णा पटेल द्वारा 965926 रुपए, निर्दलीय परितोष कुमार द्वारा 22540, निर्दलीय अशोक कुमार द्वारा 19016, मौलिक अधिकार पार्टी के राम बहादुर शर्मा द्वारा 51743 रुपए, इंडियन नेशनल कांग्रेस प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी द्वारा 764014 रुपए, किसान पार्टी के बजरंगी लाल द्वारा 93960, निर्दलीय हरिकेश द्वारा 13720, एआईएमआईएम के इसरार अहमद द्वारा 264710 रुपए, बहुजन मुक्ति पार्टी के राम अंजोर द्वारा 92786, आप पार्टी के दिनेश कुमार उपाध्याय द्वारा 18782, अपना दल बलिहारी के मो0 इरसाद द्वारा 119410, बहुजन समाज पार्टी के आशुतोष त्रिपाठी द्वारा 408207, भारतीय जनता पार्टी के राजेन्द्र कुमार मौर्य द्वारा 1599672 रुपए की धनराशि व्यय की गयी। निरीक्षण में पायी गयी कमियों/विसंगतियों को दूर कराया गया। निरीक्षण के दौरान लायजन आफिसर उपस्थित रहें।

विधान सभा मे निरीक्षण करते व्यय प्रेक्षक।

### 28 फरवरी से शुरू होगा भयहरणनाथ धाम का 22वाँ महाकाल महोत्सव

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर गत वर्षों की भांति 22वें महाकाल महोत्सव का आयोजन भव्यता से होगा। 28 फरवरी से 2 मार्च तक होने वाले इस लोक महोत्सव में विविध धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक जागरुकतापरक आयोजन होंगे।

यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि 28 फरवरी को अपराहन दो बजे महोत्सव की शुरूआत भगवान भोलेनाथ की आराधना से होगी। तदोपरांत तीन बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। आमंत्रित कवियों में जन कवि प्रकाश, डा0 नीलिमा मिश्रा, शिवम भगवती, अनूप अनुपम, रेनू मिश्रा, डा0 अशोक अग्रहरी, प्रीति पांडेय, अरूण रत्नाकर, प्रशांत भरूहिया, आभा मिश्रा, डा पीयूष मिश्र, आलोक बैरागी, डा0 चन्द्र भूषण तिवारी व मंजू पांडेय महक जौनपुरी शामिल हैं। मुख्य अतिथि के रुप में विविध धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

आकाशवाणी के निदेशक लोकेश शुक्ल होंगे। समारोह की अध्यक्षता प्रतापगढ रियासत के राजा अनिल प्रताप सिंह करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रुप में श्रींगवेरपुर धाम के अध्यक्ष बालकृष्ण पांडेय तथा यश भारती सम्मान विजेता शिवानी मातनहेलिया होंगी। उन्होने बताया कि एक मार्च महाशिवरात्रि के पर्व पर सुबह चार बजे से धाम के प्राचीन मुख्य शिवलिंग पर जलाभिषेक होगा। सात बजे से मेला व मंदिर नियंत्रण कक्ष व भूला भटका शिविर का संचालन होगा। दोपहर बारह बजे से शिव तांडव व नृत्य आदर्श उपाध्याय आदि द्वारा होगा।

### जमीनी विवाद में पिता पुत्र को मारपीट कर किया घायल

**परियावां, प्रतापगढ़।** नवाबगंज थाना क्षेत्र के बाजिदपुर गांव में दोपहर जमीनी विवाद के चलते पट्टीदारों ने पिता पुत्र को लाढ़ी डंडा से मारपीट कर घायल कर दिया जिनका उपचार सीएससी ऊँचाहार में चल रहा है। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के बाजिदपुर गाव निवासी श्रीराम गुप्ता का गांव के पट्टीदारों से जमीनी विवाद चल रहा था। शुक्रवार की दोपहर श्रीराम गुप्ता से पट्टीदारों से जमीन के विवाद को लेकर कहा सुनी होने लगी जिस पर मारपीट की नौबत आ गयी। लगभग आधा दर्जन की संख्या में हमलावर पट्टीदारों ने श्रीराम पर लाठी डंडा से हमला कर घायल कर दिया। शोर मचाने पर अपने पिता को बचाने दौड़े अंकित को भी दबंग पट्टीदारों ने मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट के दौरान गांव में अफरा तफरी मच गई। लोग इधर उधर भागने लगे। घटना स्थल पर घायल पड़े पिता पुत्र को परिजन लोग किसी तरह सीएससी ऊँचाहार ले गए, जहां दोनों का चिकित्सक उपचार कर रहे हैं। घटना की तहरीर पुलिस को नहीं दी गई है।

## असहाय छात्रों का रास्ता नहीं रोक सकेंगे आय-जात सर्टिफिकेट

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में बोलते प्राचार्य शिवम श्रीवास्तव।

### पीजी कालेज कालाकांकर में हुआ राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

**परियावां, प्रतापगढ़।** मदन मोहन मालवीय पीजी कॉलेज कालाकाँकर प्रतापगढ़ का राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर राजा दिनेश सिंह छात्रावास कालाकाँकर को केंद्र बनाकर संचालित किया गया। इस शिविर के समापन समारोह में कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 प्रदीप कुमार सिंह ने तीनों इकाइयों द्वारा किए गए कार्य की आख्या प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जो प्रेरणात्मक रहे। समापन के अवसर पर प्राचार्य डॉ शिवम श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल मंत्र मैं नहीं आप तथा इसके प्रतीक चिन्ह पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ दिनेश कुमार, डॉ मनोज कुमार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालाकाँकर के चिकित्सक अधिकारी ने भी इस संबंधित मूल मंत्र एवं मूलभूत बातों पर प्रकाश डाला और इनके कार्य की सराहना की। समापन समारोह में कार्यक्रम अधिकारी डॉ इंदु रेखा सिंह, डॉ ज्योति गुप्ता, डॉ डालचंद आनंद एवं महाविद्यालय के समस्त छात्रों एवं शिक्षक, डॉ सूर्यभान सिंह, भूपेश सिंह, डॉ विनीता सिंह, डॉ रामकरन, डॉ शिव भूषण, डॉ रेखा सिंह, सृष्टि कुशवाहा, डॉ सर्वेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

### दर्जनों छात्रों को किया गया वितरण

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** धन के अभाव में जात, आय, निवास जैसे महत्वपूर्ण सर्टिफिकेट के अभाव में आगे न बढ़ पाने वाले जरूरतमंद और असहाय छात्रों का निःशुल्क प्रमाण पत्र बनवा कर उनका मार्ग प्रशस्त करने की एक अनूठी पहल बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी ने की है। आदर्श नगर मोहल्ले में डेंटल केयर सेंटर पर आयोजित कार्यक्रम में ऐसे दर्जनों छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट देकर लाभान्वित किया गया। जो धन के अभाव में नहीं बनवा पा रहे थे। गरीब छात्रों के हित में उठाये गये बीबीएफजी के इस नेक कदम की लोग सराहना कर रहे हैं।

असल में आज के दौर में शिक्षा में खासकर जात, निवास, आय जैसे प्रमाण पत्र पत्रों की बहुत जरूरत है। आज भी न जाने कितने छात्र, छात्राएं धन के अभाव में कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं। उनके पास अभी भी इस तरह के प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पैसे की किल्लत रहती है। भंगवा, जोगापुर, किना का पुरवा के पढ़ने वाले दर्जनों छात्र जिनके पास सर्टिफिकेट नहीं थे। इसके अभाव में वे आगे की पढ़ाई के साथ और भी जरूरी काम नहीं हो पा रहे थे। बीबीएफजी ने आगे बढ़कर उन छात्रों की मदद करने का फैसला लिया। जिन्हें जो प्रमाण पत्र की जरूरत थी उसको साइबर कैफे से बनवाकर फ्री में उसका वितरण कराया। आदर्श नगर में आयोजित वितरण कार्यक्रम में हिमांशु, लवकुश, राजेश, तेजासी, नितेश, साहिल,साहिबा, प्रदीप समेत काफी संख्या में प्रमाण पत्र पाने वाले छात्र खुश नजर आये। उन्होंने बताया कि बीबीएफजी ने उन सभी का स्कालरशिप का भी फार्म भी निःशुल्क भरवाया। ग्रुप के माध्यम से ऐसे छात्रों के मददगार बनकर आगे आये मेडिकल कालेज मेडिसिन विभाग के हेड डॉक्टर मनोज खत्री का कहना है कि ग्रुप के द्वारा पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों की मदद की जाती है। जिससे वे आगे बढ़ सके। ग्रुप के सहयोगी ट्रेन मैनजर वीके तिवारी का कहना है कि ग्रुप ऐसे बच्चों की शिक्षा में हर संभव मदद का प्रयास करता है। बीबीएफजी के कार्य से प्रभावित एमडीपीजी कालेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर किरण मिश्रा ने कहा कि ऐसे छात्रों की मदद कर बीबीएफजी नेक कार्य कर रहा है। लोगों को आगे आने का आह्वान किया। रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेंट्रल के सचिव शरद केसरवानी ने ग्रुप के कार्य को अनूठा बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अश्वनी केसरवानी ने की। संचालन डॉक्टर अनुराग मिश्रा ने किया। इस मौके पर अरुण मिश्रा, मोहम्मद अनवर, मोहम्मद अनीश, सतेंद्र गुप्ता, विनोद लखमानी समेत कई सहयोगी मौजूद रहे।

### गरीब छात्रों के प्रमाण पत्र निःशुल्क बनवाने की बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप की अनूठी पहल

गरीब छात्रों को प्रमाण पत्र देते चिकित्सक डा0 मनोज खत्री।

### गांव गलियों में प्रत्याशियों ने झोंकी ताकत

**प्रतापगढ़।** प्रचार समाप्त होते ही गांव-गांव गली-गली प्रत्याशी व उनके समर्थक मिलते दिखाई दिए। कांग्रेस, सपा, बसपा, भाजपा सभी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। देर रात तक बस्ता पहुंचाने एवं प्रत्येक बूथ एवं आसपास के मतदाताओं को रिझाने में लगे हुए दिखाई दिए। कांग्रेस प्रत्याशी नीरज के लिए संतोष सिंह एवं उनकी टीम के लोग अपने समर्थन में हाथ जोड़कर दिखाई दिए।

## नगर पालिका ने 100 मतदान केन्द्रों में किया सेनेटाइजेशन

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** नगर पालिका के 25 वार्डों तथा विस्तारित क्षेत्रों में बने लगभग 100 मतदान केन्द्रों में नगर पालिका ने आज सेनेटाइजेशन का कार्य किया। बता दें कि रविवार की सुबह सात बजे से मतदान केन्द्रों पर मत डाले जाएंगे। नगर पालिका अपने क्षेत्र के मतदान केन्द्रों की साफ-सफाई तथा सेनेटाइजेशन मतदान पार्टियों के पहुंचने से पहले ही कर चुका था।

यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक

### पोलिंग पार्टियों के पहुंचने से पहले ही सेनेटाइजेशन का कार्य पूरा

संतोष कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के निर्देशन में नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह को नगर क्षेत्र के मतदान केन्द्रों की साफ-सफाई व सेनेटाइजेशन के निर्देश दिये गये थे जिसके तहत तीन दिनों तक मतदान केन्द्रों और उनके शौचालयों की सफाई की गई और शनिवार को सभी मतदान केन्द्रों पर सेनेटाइजेशन का कार्य किया गया। इसके लिये नगर पालिका ने पांच टीमें लगाई थी। बताया गया कि सेनेटाइजेशन के कार्य में कोई ढिलाई न हो, इसके लिये नगर पालिका के अधिकारी निरीक्षण भी कर रहे थे। बता दें कि जिलाधिकारी ने इसी प्रकार का आदेश सभी टाउन एरिया के अधिशाषी अधिकारियों तथा ग्राम प्रधानों को भी दिये हैं कि मतदान केन्द्रों पर साफ-सफाई के साथ सेनेटाइजेशन भी किया जाए जिससे मतदान पार्टियों को कोई समस्या न हो।

## फायरिंग व हत्या का प्रयास करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** आठ फरवारी को थाना लालगंज पर आवेदक द्वारा यह सूचना दी गयी कि भदारी कला तिराहा, राइस मिल के पास जाइलो कार से आकर कुछ लोगों द्वारा जान से मारने की नीयत से मुझ पर फायर किया गया जिसमें मैं बच गया। इसके उपरान्त उन लोगों के द्वारा दहशत पैदा करने की नीयत से हवाई फायरिंग भी की गयी।

इस संबंध में वादी की तहरीर पर थाना लालगंज पर मु0अ0सं0 92/2022 धारा 147, 148, 149, 504, 506, 307, 286 भादवि व धारा 07 सीएलए एक्ट का अभियोग 03 व्यक्ति नामजद व 04 व्यक्ति नाम पता अज्ञात के विरूद्ध पंजीकृत किया गया था। उक्त मुकदमें की विवेचना/कार्यवाही के क्रम में थाना लालगंज के उ0नि0 केशव प्रसाद मय टीम द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान उक्त घटना से संबंधित एक और अभियुक्त शिवम दुबे को जगदीश मैरिज हॉल, संगियापुर के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा 12 बोर व 02 कारतूस बरामद किया गया। इस बरामदगी के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 120/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया है। उधर 21 फरवरी को थाना क्षेत्र लालगंज के ग्राम गाबी महुआबन के पास एक व्यक्ति आहद अली पुत्र कौसर अली निवासी ग्राम गावी महुआवान अजगरा थाना लालगंज को कुछ लोगों के द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट कर घायल कर दिया गया था। इस संबंध में थाना लालगंज में मु0अ0सं0 114/2022 धारा 147, 148, 323, 504, 506, 308 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था। घायल का उपचार प्रयागराज में चल रहा था जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। उक्त अभियोग की विवेचना के क्रम में सुसंगत धाराओं का समावेश किया गया था। इसी क्रम में थाना लालगंज के उ0नि0 निकेत भारद्वाज मय टीम द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान उक्त अभियोग से संबंधित एक वांछित अभियुक्त मो0 इसरार उर्फ सिस्टम पुत्र मो0 जमा निवासी ग्राम गाबी महुआबन थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ को थाना क्षेत्र के डीके ढाबा, अजगरा रानीगंज से गिरफ्तार किया गया।

# मतदान केंद्रों पर चाक चौबंद व्यवस्था के बीच 734 मतदान केंद्रों में होगी वोटिंग

## जिले को 11 जोन एवं 89 सेक्टर में बांटा गया सभी बूथों पर निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल के जवानों की तैनाती की गई है, पोलिंग पार्टियां हुई रवाना जिले की सीमा रहेगी सील

पोलिंग पार्टियां रवाना करते अधिकारी

निरीक्षण करते डीएम एसपी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले की तीन विधानसभाओं में रविवार की सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मतदान के लिए कुल 734 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो,इसके लिए व्यवस्था की गई है, इसके अलावा ईवीएम गड़बड़ होने पर तत्काल दूसरी ईवीएम मतदान केंद्र तक पहुंचाई जाएगी। जिला प्रशासन एवं पुलिस महकमे ने पूरी तैयारी कर ली है। नवीन मंडी स्थल ओसा से पोलिंग पार्टियां शनिवार को रवाना हो गयी है जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला अधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम एवं एसपी से मतदान केंद्रों की सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं पर बातचीत कर जानकारी हासिल की।

डीएम सुजीत कुमार ने बताया कि जिले में लगभग 11.50 लाख मतदाता है। कुल 734 मतदान केंद्र एवं 1329 मतदान स्थल बनाए गए हैं। कोरोना संक्रमण को देखते हुए मतदान केंद्रों में मास्क एवं सैनिटाइजर की उचित व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन कराया जाएगा। एसपी हेमराज मीणा ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पूरे जिले को 11 जोन एवं 89 सेक्टर में बांटा गया है। सभी बूथों पर निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल के जवानों की तैनाती की गई है। 27 क्यूआरटी टीम बनाई गई है। प्रत्येक विधानसभा में 9-9 क्यूआरटी लगाई जाएगी। जो पूरे जिले में भ्रमण सील रहेंगी और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेती रहेगी। यह क्यूआरटी टीम संवेदनशील एवं अति संवेदन शील बूथों पर सक्रिय रहेगी। जनपद में भयमुक्त एवं निष्पक्ष वातावरण में मतदान कराया जाएगा।

### मतदान के पूर्व पोलिंग पार्टियां रवाना

**कौशाम्बी।** विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के पचवां चरण अंतर्गत जनपद में 27 फरवरी को होने वाले मतदान के एक दिन पूर्व पोलिंग पार्टी की रवानगी के समय सभी पोलिंग कार्मिक ईवीएम मशीन तथा स्टेशनरी की प्राप्ति की गई साथ ही जनपद के चुनाव अंतर्गत सभी पोलिंग कार्मिकों को कोविड नियमों के दृष्टिगत मतदान के दिन ड्यूटी के समय उपयोग करने हेतु आवश्यक मास्क सैनिटाइजर संबंधित सामग्री का वितरण करवाया गया

जिलाधिकारी ने मतदाताओं से अपील की अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करे 27 फरवरी को मतदान करने अवश्य जाए मतदान का समय सुबह 7:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक निश्चित है।

### डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ज्वाला देवी इंटर कॉलेज में करेंगे मतदान

**कौशाम्बी।** सिराथू विधानसभा से प्रत्याशी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या उत्तर प्रदेश विधानसभा के पांचवें चरण के मतदान के लिए 27 फरवरी को सुबह 8 बजे ज्वाला देवी इंटर कॉलेज प्रयागराज में मतदान करेंगे।

## मलेशिया भेजने के नाम पर युवक से डेढ़ लाख रुपए की ठगी

अखंड भारत संदेश

**कौशांबी।** चरवा थाना क्षेत्र के बिराहिम बाग मलाक नगर निवासी चंद्रशेखर पुत्र शारदा प्रसाद को मलेशिया भेजने के नाम पर करारी थाना क्षेत्र के म्योहर गांव निवासी धर्मेन्द्र सिंह उर्फ छक्कम पुत्र सुरेन्द्र सिंह ने डेढ़ लाख रुपए ठग लिए घटना जनवरी 2020 की है लेकिन चंद्रशेखर को बताए गए काम के बदले मलेशिया में उसे दूसरा काम दिया गया है जिसे वह करने के लिए तैयार नहीं था विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले युवक से पीड़ित युवक के परिजनों ने मलेशिया से वापस बुलाने की मांग की जिस पर चंद्रशेखर मलेशिया से वापस गांव लौट आया और उसने ठगों से अपने डेढ़ लाख रुपए की मांग की जिस पर काफी दिनों तक ठग उसे टरकाते रहे लेकिन तमाम दबाव के बाद ठगों ने उसे 20 हजार रुपए वापस दे दिया जब वह दोबारा शेष रुपया मांगने आरोपियों के घर गया तो आरोपी

### चरवा थाना बना पंचायत भवन पीड़ितों को नहीं मिलता न्याय

और उनके पुत्रों ने पीड़ित चंद्रशेखर के साथ गाली गलौज अभद्रता की जिस पर पीड़ित चंद्रशेखर ने पुलिस का सहारा लिया और 14 फरवरी को चरवा थाना पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की तहरीर मिलने के बाद चरवा थाने के उपनिरीक्षक पंचायत में लग गए धीरे धीरे 12 दिन बीत गया पुलिस के पंचायत के बाद पीड़ित चंद्रशेखर को 15 हजार रुपए आरोपियों से थाने में दिलाया गया लेकिन 15 हजार की रकम मिलते ही फिर दलाल सक्रिय हो गए और पीड़ित से डेढ़ हजार रुपए थाने के भीतर दलालों ने पुलिस के नाम पर ले लिया तमाम मेहनत के बाद भी पीड़ित चंद्रशेखर की पूरी बकाया रकम वापस नहीं मिल सका है पुलिस मुकदमा दर्ज करने के बजाए मामले में पंचायत में लगी है जिससे पुलिसिया व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

## मतदान करने पर टीवीएस बाइक की खरीद पर मिलेगा इनाम

### मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए बाबा टीवीएस ने शुरू की अनोखी पहल

**कौशांबी।** भरवारी कस्बा स्थित टीवीएस बाइक एजेंसी के मालिकानो ने विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए अनोखी पहल शुरू की है उनकी यह पहल मतदाताओं के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है बाबा टीवीएस के मालिक अमित कुमार केसरवानी ने बताया कि मतदान करने के बाद बाइक की खरीद और सर्विस पर ग्राहक को 10 मार्च तक इनाम दिया जाएगा।

बाइक एजेंसी बाबा टीवीएस भरवारी ने विधानसभा चुनाव में मतदान करने के लिए मतदाताओं को प्रेरित किया है उन्होंने कहा कि जिससे मतदान का प्रतिशत बढ़ सके इसके लिए पहल शुरू की गई है बाबा टीवीएस के मालिक अमित कुमार केसरवानी कपिल कुमार केशरवानी ने सयुक्त रूप से कहा है कि विधानसभा चुनाव में मतदान करने के बाद मतदान का निशान स्याही दिखाने के बाद टीवीएस बाइक की खरीद पर डेढ़ हजार रुपए से तीन हजार रुपए तक की ग्राहक को छूट दी जाएगी इतना ही नहीं मतदान करने के बाद निशान दिखाने पर बाइक की सर्विसिंग में लगने वाले सर्विस चार्ज में भी आधी छूट देने की घोषणा बाबा टीवीएस भरवारी द्वारा की गई है योजना 10 मार्च तक लागू है मतदान का प्रतिशत बढ़ाने और मतदाताओं को जागरूक करने के लिए बाबा टीवीएस भरवारी ने अनोखी पहल शुरू की है

### शत प्रतिशत मतदाता करें मतदान : जय हिंद

**कौशाम्बी।** सुशील जय हिंद ने मतदाताओं से अपील की है कि जाति धर्म मजहब से ऊपर उठकर इस बार मतदाता शत प्रतिशत मतदान करें उन्होंने कहा कि लोग लालच को त्याग कर मतदान करे सुशील जय हिंद चायल विधानसभा के उम्मीदवार संपर्क किसान पार्टी के प्रत्याशी सुशील जय हिंद ने कहा कि 27 तारीख को मतदाता लोग जाति धर्म से उठकर राष्ट्र के लिए वोटिंग करेंगे बहुत बड़े-बड़े नेताओं ने आकर जनता से झूठे वादे किए हैं रोड शो किया है पैसे की बबार्दी करते हुए अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किया ऐसे लालची लोगों को जनता नकार देगी उन्होंने कहा कि हम जनता से अपील करते हैं कि बिना किसी दबाव और भय के मजदूरों किसानों और बेरोजगारों की बात करने वाले सत्य और निष्पक्ष और योग्य प्रत्याशी का बेखौफ होकर चुनाव करें।

## व्यापारी पुत्र की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

### सगरा गांव के पास गंगा नदी के किनारे मिली युवक की लाश, नरवर पट्टी मंदिर के पास गांजा पीने वाले युवक कौन!

अखंड भारत संदेश

**कौशाम्बी।** कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज चंदवारी मोड में रहने वाले व्यापारी प्रेमबाबू केसरवानी के पुत्र सूरज केसरवानी उम्र लगभग 24 वर्ष की सगरा घाट के पास गंगा नदी के दूसरे किनारे शुक्रवार की देर शाम लाश मिली है सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यापारी पुत्र की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है शनिवार को व्यापारी पुत्र का पोस्टमार्टम हो गया है पुत्र की मौत की जानकारी पर परिवार में कोहराम मचा है व्यापारी पुत्र की मौत कैसे हुई इस पर तमाम चचाएं हो रही हैं। घटनाक्रम के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के शोभना गांव के रहने वाले प्रेम बाबू केसरवानी पुत्र बंशीलाल केशरवानी अपने परिवार के साथ मूरतगंज चंदवारी मोड़ पर रहते हैं उनका बेटा सूरज प्रसाद शुक्रवार की सुबह अपने तीन अन्य साथियों के साथ बाइक से घर से निकला था लेकिन देर शाम तक सूरज वापस नहीं लौटा सूरज के साथ रहे साथियों ने भी परिवार को कोई सूचना नहीं दी सूरज के ना लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की तो मालूम चला कि सगरा गांव के गंगा नदी के किनारे उसकी बाइक खड़ी है बाइक खड़े होने से किसी अनहोनी की घटना को लेकर परिजनों की आशंका बढ़ गई सूरज की खोजबीन शुरू हुई गंगा नदी के दूसरे किनारे सूरज की लाश मिली है लाश मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया मामले की सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है चचाओं पड़ जाए तो घर से निकलने के बाद सूरज और उसके साथियों ने नरवर पट्टी के एक मंदिर में बैठकर गांजा पिया था जिसकी चर्चा ग्रामीणों के बीच हो रही है अब सूरज केसरवानी गंगा नदी के दूसरे किनारे कैसे पहुंचा यह पुलिसिया जांच का विषय है परिजन अभी कुछ बोलने को तैयार नहीं है सूरज की मौत पर ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।

## पुरानी पेंशन मुद्दे पर यूटेक ने राजस्थान और महाराष्ट्र सरकार का आभार व्यक्त किया

अखंड भारत संदेश

**कौशाम्बी।** यूनिक टीचर्स एंड एम्प्लॉयज कमिटी (यूटेक) ने पुरानी पेंशन बहाल करने के राजस्थान और महाराष्ट्र सरकार के गरिमामयी फैसले का स्वागत किया है। यूटेक के कौशांबी जनपद के जिला संयोजक अतमम अली ने बताया कि 2004 के बाद से कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बंद कर दी गई थी। तब से कर्मचारी शिक्षक अधिकारी संगठन लगातार संघर्ष कर रहा है। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने हमारी बात नहीं सुनी। कर्मचारियों को पेंशन नहीं और नेतागण 5 वर्ष सेवा के बदले 3-3 पेंशन के पात्र हैं। हमारे संगठन ने इस दोहरे कानून का जमकर विरोध किया। हमारी आवाज केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने भले ही न सुनी हो परंतु हम अपनी मांग को अन्य प्रदेशों तक पहुंचाने में सफल रहे। हमारी लगातार बढ़ती लोकप्रियता और लगातार प्रयास को देखते हुए राजस्थान और महाराष्ट्र की सरकारों ने 2004 के बाद नियुक्त कार्मिकों को पुरानी पेंशन देने का पत्र जारी किया। हम उनके कोटिश आभारी हैं। हम स्पष्ट करते हैं कि हम कर्मचारी हैं। हमारी कोई राजनैतिक पार्टी नहीं है। हमारा मिशन पुरानी पेंशन की बहाली है। उत्तर प्रदेश में भी जिस भी राजनैतिक दल ने हमारी मांग को अपने घोषणा पत्र में शामिल किया हम उसी दल के समर्थन में वोट करेंगे। हम अपने लगभग 20 लाख कर्मचारी शिक्षक अधिकारियों के साथ पुरानी पेंशन बहाल कराने हेतु संघर्ष करने को कृतसंकल्प हैं। हम एक बार फिर राजस्थान और महाराष्ट्र सरकार का हृदय की गहराइयों से आभार प्रकट करते हैं।

### अराजक तत्वों को पुलिस ने जारी किया लाल कार्ड

**कौशाम्बी।** विधानसभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल पारदर्शी संपन्न कराने के लिए जिले के विभिन्न थाना पुलिस द्वारा अराजक तत्वों को लाल कार्ड जारी कर चेतावनी दी है कि वह मतदान बूथ पर मतदान करने के बाद अपने घरों को लौट जाएं जिन अराजक तत्वों को पुलिस ने लाल कार्ड जारी किया है। उन्हें सख्त हिदायत है कि वह सार्वजनिक स्थल पर ना लगाएं वरना पुलिस उन पर कठोर कार्यवाही करेगी।

### आधी रात को शिक्षक पर प्राणघातक हमला

**कौशाम्बी।** सिराथू सर्किल क्षेत्र के बारह हवेली खालसा गांव निवासी शिक्षक नरेंद्र बहादुर सिंह पुत्र स्व प्रताप सिंह गांव के ही स्कूल प्रबंधक के घर रहते हैं वह बुजुर्ग शिक्षक थे रात 2 बजे लघुशंका के लिये बाहर आये तो अज्ञात हमलावरों ने ईंट पत्थर से शिक्षक पर प्राणघातक हमला कर दिया कुछ लोगों का कहना है कि शिक्षक पर तमंचे से हमला किया गया है जिससे शिक्षकों की गंभीर चोटें आई हैं घायल अवस्था में आधी रात को ही उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है शिक्षक की स्थिति गंभीर होने पर घायल शिक्षक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है।

## भूसा चारा पानी के बिना गौशाला में तड़प रहे पशु

**कौशांबी।** चायल तहसील क्षेत्र के बरियावां गोसंरक्षण केंद्र में बीते 4 दिनों से चारा पानी भूसा दाना की दिक्कत है ग्राम प्रधान विधायक प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं जिससे पशुओं की देखभाल करने वाला कोई नहीं है मौके पर चारा भूसा दाना ना होने से गौ संरक्षण की रखवाली करने वाले लोगों ने भी हाथ खड़ा कर दिया है चारा पानी भूसा ना मिलने से पशु तड़प रहे हैं लेकिन इन बेजुबान पशुओं की देखरेख में लगे जिम्मेदार अंजान बने हुए हैं पशु विभाग के अधिकारी भी मनमानी पर उतारू हैं जिससे गो संरक्षण केंद्र बदहाली का शिकार है पूर्व में भी बरियावा गौ संरक्षण केंद्र में तमाम खामियां थी ग्रामीणों ने अधिकारियों से शिकायत भी किया था लेकिन गोसंरक्षण केंद्र की व्यवस्था में सुधार नहीं हो सका बताते चलें कि इस गौ संरक्षण केंद्र में पूर्व प्रधान के जमाने से ही अव्यवस्थाओं का बोलबाला है सरकार से मिलने वाली आर्थिक मदद पूर्व प्रधान के जमाने से ही प्रधान और ग्राम पंचायत सेक्रेटरी हिस्सा बंटवारा कर लेते थे पुरानी व्यवस्था वर्तमान प्रधान ने भी संभाल ली है और वर्तमान में भी गौ संरक्षण केंद्र में मिलने वाली आर्थिक सहायता प्रदान और ग्राम पंचायत सचिव के पास पहुंच रही है अव्यवस्था के आलम के बाद एक बार फिर ग्रामीणों ने अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए गो संरक्षण केंद्र बरियावा के जिम्मेदारों पर कार्यवाही करते हुए गोसंरक्षण केंद्र बरियावा की व्यवस्था को दुरुस्त कराए जाने की मांग की है।

## नुमाइंदगी से पहले ही पूर्व मंत्री के भतीजे की गुंडई शुरू!

### जा रहे क्षेत्रीय को युवकों पर पूर्व मंत्री भतीजे ने किया जानलेवा हमला शिकायत पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज के गांव लोधन पुरवा में हुई घटना क्षेत्र में सनसनी

अखंड भारत संदेश

**कौशांबी।** विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद अभी नुमाइंदगी नहीं हुई है लेकिन पूर्व मंत्री के भतीजे की गुंडई शुरू हो गई है मामले की शिकायत पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक से कर पूर्व मंत्री के भतीजे के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की है विधानसभा मंझनपुर का चुनाव अब संघर्ष का रूप ले रहा है, जहां गुरूवार की देर शाम पूर्व काबीना मंत्री रहे इंद्रजीत सरोज के भतीजे भोला सरोज ने साथियों समेत युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद से क्षेत्र में यह मामला सनसनी का रूप ले चुका है। पीड़ित युवकों का आरोप है कि मामले की शिकायत उन्होंने पश्चिम शरीरा थाना पुलिस से भी किया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। शुक्रवार की सुबह जिला मुख्यालय पहुंचे युवकों ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर मामले में कार्रवाई की मांग उठाई है। मामले की शिकायत करते हुए पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के भागवत पुर गांव निवासी प्रकाश दुबे पुत्र संत शरण दुबे ने बताया कि जब गुरुवार की शाम लगभग 9: 30 बजे वह अपने साथी नितिन सिंह पटेल, शिव गणेश तिवारी, आकाश केसरवानी के साथ अंधावा जा रहे थे, तभी जैसे वह लोधन का पुरवा गांव के नहरपुर पार कर रहे थे तभी पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज के परिवार के लोगों ने जिनकी संख्या लगभग 50 के आसपास थी। उन्होंने लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी से लैस होकर उन पर हमला कर दिया। पीड़ितों ने बताया इस हमले की अगुवाई पूर्व मंत्री के भतीजे भोला सरोज कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भोला सरोज ने गाली देते हुए कहा कि खेलो और उन्हें पटक दिया। इस दौरान उन को जान से मारने का प्रयास भी किया गया। पीड़ित ने बताया इन लोगों ने उन्हें उनके दोस्तों के मारपीट करने के साथ ही उनकी दोपहिया वाहन को भी तोड़ फोड़ दिया है। पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए मामले में मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की है। घटना के बाद से क्षेत्र में राजनीति पूरे उफान पर है और मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

## योग प्रशिक्षक की फर्जी नियुक्ति का खुलासा होने के बाद नहीं हुई बर्खास्तगी

### फतेहपुर जिले में भी फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर योग प्रशिक्षक सरकार से ले चुके हैं लाखो का मानदेय

अखंड भारत संदेश

**कौशांबी।** क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अस्पतालों में योग सहायक एवं योग प्रशिक्षकों की भर्ती कर आम जनता के स्वास्थ्य को सरकार बेहतर बनाने के प्रयास में लगी है लेकिन योग प्रशिक्षक और योग सहायकों की फर्जी भर्ती कर जहां एक ओर अधिकारी सरकार के खजाने को वेतन के नाम पर लाखो की चपत लगा रहे हैं वहीं फर्जी योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति होने पर आम जनता को योग के विषय में जानकारी नहीं मिल पाती है।

फर्जी तरीके से नियुक्त योग प्रशिक्षण विभागीय अधिकारियों की मेहरबानी पर घर बैठे लाखों का वेतन उठा रहे हैं। योग प्रशिक्षण केंद्र क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अस्पतालों में नहीं संचालित हो रहे है। योग प्रशिक्षक की फर्जी नियुक्ति के मामले में सब कुछ स्पष्ट होने के बाद भी फर्जी योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति निरस्त कर उनसे वेतन रिकवरी की कार्यवाही अधिकारियों द्वारा नहीं की जा रही है जिससे अधिकारियों की भी मंशा पर सवाल उठने लगे हैं ताजा मामला जिले में लवली सिंह योग प्रशिक्षक की नियुक्ति का है जिनकी नियुक्ति पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने दिल्ली ने सवाल खड़े कर दिए हैं नियुक्ति के समय दाखिल अभिलेखों के अनुसार योग प्रशिक्षक लवली सिंह का कहना है कि महर्षि दयानंद सरस्वती योग संस्थान नई दिल्ली से उन्होंने योग शिक्षा ली है लेकिन विश्व विद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली ने महर्षि दयानंद सरस्वती योग संस्थान नई दिल्ली के आयोग द्वारा अनुरक्षित विश्वविद्यालयों की सूची में सम्मिलित होने से ही इनकार कर दिया है लवली सिंह की फर्जी नियुक्ति के मामले में सब कुछ साफ हो गया है लेकिन फिर भी लवली सिंह को बर्खास्त कर उन पर मुकदमा नहीं दर्ज कराया गया है फर्जी नियुक्ति के आधार पर उन पर उनसे वेतन की रिकवरी नहीं कराई गई है जिससे चयन समिति की मंत्री क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी की भूमिका सवालों के घेरे में है शिकायतकर्ता सोनू राठौर ने अधिकारियों को पत्र भेजकर फर्जी नियुक्ति के आधार पर लाखों का मानदेय लेने वाली योग प्रशिक्षक लवली सिंह और चयन समिति के मंत्री पर मुकदमा दर्ज कराते हुए वेतन रिकवरी की मांग की है।

### योग प्रशिक्षकों की फर्जी नियुक्ति का पूरे प्रदेश में चल रहा खेल

**कौशांबी।** योग प्रशिक्षक और योग सहायक की नियुक्ति के नाम पर फर्जी नियुक्ति का यह खेल अकेले कौशांबी में नहीं है बल्कि योग प्रशिक्षक और योग सहायक की फर्जी नियुक्ति का खेल पूरे उत्तर प्रदेश में बेखौफ तरीके से चल रहा है फर्जी नियुक्ति के आधार पर करोड़ों रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगाई जा रही है फर्जी नियुक्ति के मामले में चयन समिति के मंत्री क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी की भूमिका भी सवालों के घेरे पर है और फर्जी नियुक्ति के मामले में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी ने तत्कालीन जिलाधिकारी को भी गुमराह किया है फर्जी नियुक्ति के मामले में यदि शासन प्रशासन ने बिंदुवार सूक्ष्म जांच कराई तो चयन समिति मंत्री पर भी कठोर कार्यवाही हो सकती है।

### मतदाताओं को रुपया बांट रही सपा प्रत्याशी को पुलिस ने पकड़ा

**कौशांबी।** अपना दल कमेरा वादी समाजवादी पार्टी के गठबंधन की सिराथू प्रत्याशी डॉ पल्लवी पटेल द्वारा सिराथू विधानसभा क्षेत्र के सैनी गांव के विजयीपुर मजरा में शनिवार को रात्रि 9:30 बजे मतदाताओं के बीच बड़ी तादात में रकम बाटी जा रही थी सूचना स्थानीय पुलिस को मिल गई मौके पर पुलिस फोर्स के साथ कोतवाल पहुंचे और मतदाताओं के बीच पैसा बांट रही सपा प्रत्याशी डॉ पल्लवी पटेल को समर्थकों समेत कोतवाल ने रंगे हाथों पकड़ लिया है मौके से भारी संख्या में नोट बरामद हुई है मतदाताओं के बीच आधी रात को रुपए बांटने का यह खेल बहुत पुराना है मतदान से ठीक 10 घंटे पहले प्रत्याशी द्वारा मतदाताओं को पैसे बांटे जाने के मामले में पुलिस कार्यवाही कर रही है।

### प्रेक्षक ने चेकिंग टीम को चेक किया

**कौशाम्बी।** विधान सभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रेक्षक अंजू लता द्वारा महेवाघाट चेकिंग बैरियर पर औचक चेकिंग हुई। प्रेक्षक की चेकिंग से हड़कंप मचा रहा। कहा कि विधानसभा चुनाव में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने हेतु एसएसटी टीम द्वारा चेकिंग अभियान को प्रेक्षक द्वारा शनिवार को चेक किया गया।

## थाने पहुंचकर बार-बार गायब हो जाता है गिरफ्तारी वारंट

अखंड भारत संदेश

**कौशाम्बी।** सराय अकिल थानेदार की भी महिमा निराली है अपराधियों को संरक्षण देना और आम जनता का उत्पीड़न करना उनकी व्यवस्था में शुमार हो गया है लेकिन सराय अकिल थानेदार के तमाम कारनामों के बाद भी आला अधिकारी सराय अकिल के थानेदार को बदल नहीं सके हैं जिससे पुलिसिया व्यवस्था पर सवाल उठाना जनता का लाजमी है ताजा मामला इछना गांव के राम आसरे के नाम बार-बार अदालत द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी कर सराय अकिल पुलिस को भेजे जाने के बाद भी पुलिस राम आसरे को गिरफ्तार कर अदालत में पेश नहीं कर सकी है और वारंटी खुलेआम पुलिसिया

### न्यायालय ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर किया सूचित फिर भी वारंट के आरोपी की नहीं हुई गिरफ्तारी

व्यवस्था की धज्जियां उड़ा कर गांव में घूम रहा है जो सराय अकिल पुलिस की व्यवस्था पर बड़ा सवाल है मामले को लेकर दूसरे पक्ष की उषा देवी ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर सराय अकिल थानेदार की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करते हुए वारंटी राम आसरे की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में ऊषा देवी ने बताया कि प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय कौशांबी द्वारा वाद संख्या 54 सन 2019 में राम आसरे पुत्र भुग्गा निवासी इछना थाना सराय अकिल के विरुद्ध लगातार गिरफ्तारी वारंट वसूली वारंट अदालत द्वारा जारी किया जा रहा है महिला ने बताया कि एक वर्ष से अधिक समय से गिरफ्तारी वारंट अदालत से जारी हो रहा है लेकिन सराय अकिल थाना पुलिस द्वारा अदालत के गिरफ्तारी वारंट एनबीडब्ल्यू का पालन नहीं किया जा रहा है जिससे आरोपी राम आसरे अदालत में नहीं उपस्थित हो सका है 21 दिसंबर 2021 को न्यायालय ने फिर रिकवरी वारंट एनबीडब्ल्यू जारी करते हुए 8 फरवरी 2022 के लिए हाजिर करने का निर्देश दिया था अदालत ने एसपी को भी पत्र प्रेषित किया है लेकिन इस आदेश पर भी आरोपी की गिरफ्तारी पुलिस नहीं कर सकी है पुलिस वारंटी के साथ लुकाछिपी का खेल खेल रही है।

संपादकीय

## विनिर्माण क्षेत्र में विदेशी निवेश का आकर्षक केंद्र बन चुका है भारत

भारत अब विनिर्माण क्षेत्र में विदेशी निवेश का एक आकर्षक केंद्र बन चुका है। मेक इन इंडिया अभियान की मदद से भारत हाई-टेक विनिर्माण का केंद्र बनने की राह पर है। क्योंकि वैश्विक दिग्गज या तो भारत में विनिर्माण संयंत्र लगा रहे हैं या लगाने की प्रक्रिया में हैं, जो भारत के एक अरब से अधिक उपभोक्ताओं के बाजार और उनकी बढ़ती क्रय शक्ति से आकर्षित हैं। ऐसा इसलिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निगरानी में भारत 1,200 से अधिक सरकारी वित्त पोषित अनुसंधान संस्थानों, सक्रिय नीति तंत्र, उद्योग और शिक्षाविदों के बीच सहयोग के साथ नवाचार अर्थव्यवस्था के युग को लेकर खुद को तैयार कर रहा है। भारत नवाचार के निरंतर बढ़ते पथ पर है और उभरती हुई तकनीकियां जैसे ब्लॉक चेन, नैनो टेक्नोलॉजी, क्वांटम कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नवाचार के केंद्र में हैं। भारत शीर्ष 25 नवोन्मेषी देशों के संघ में शामिल होना चाहता है। एनएसएफ डेटाबेस के हिसाब से वैज्ञानिक प्रकाशन के देशों में भारत तीसरे स्थान पर है। वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) के अनुसार इसने वैश्विक स्तर पर शीर्ष 50 नवीन अर्थव्यवस्थाओं में (46वें रैंक पर) जगह बनाई है। इसने पीएचडी की संख्या, उच्च शिक्षा प्रणाली के आकार के साथ-साथ स्टार्ट-अप की संख्या के मामले में भी तीसरा स्थान हासिल किया है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण, समावेश और पारदर्शिता हासिल करने के लिए तकनीकी को एक माध्यम बनाया है। सरकार तकनीकी का उपयोग कर अंतिम छोर तक सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करती है। वहीं, डीएसटी लोगों के बीच वैज्ञानिक प्रवृत्ति को विकसित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है। वह देश में अनुसंधान व नवाचार अभियान का नेतृत्व कर रहा है। इस दिशा में भारत के द्वारा कई मिशन मोड कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, जैसे- राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन, अंतर्विषयक साइबर भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन (आईसीपीएस), क्वांटम कम्प्यूटिंग और संचार, सुपरकम्प्यूटिंग, सुपरकम्प्यूटिंग पर राष्ट्रीय मिशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी आदि, ताकि इस अभियान का सहयोग किया जा सके। देखा जाए तो पिछले 75 वर्षों में भारत विकासपरक यात्रा से गुजरा है, जिसने इसकी वैश्विक राष्ट्रों के बीच एक अलग आर्थिक और राजनीतिक पहचान बनाने में मदद की है। इसलिए आज जब भारत अपनी आजादी का 75वां वर्ष मना रहा है, वह अपने लिए अगले 25 वर्षों के निमित्त रोडमैप @100 तैयार कर रहा है ताकि वर्ष 2047 तक जीवन के सभी क्षेत्रों में वैज्ञानिक व तकनीकी नवाचारों द्वारा प्रगति हासिल अथवा निर्धारित की जा सके।

# कांग्रेस बिना अधूरा ही रहेगा क्षेत्रीय दलों का गठबंधन

**योगेन्द्र योगी**

**तेलंगाना** के मुख्यमंत्री चन्द्रशेखर राव ने भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ क्षेत्रीय दलों की एकजुटता को लेकर एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्व ठाकरे से मुलाकात की। राव से पहले क्षेत्रीय दलों को एक जाजम पर लाने का ऐसा ही प्रयास पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कर चुकी हैं। ममता को इसमें कोई सफलता नहीं मिली। पवार ने पहले भी कहा था कि कांग्रेस को शामिल किए बगैर ऐसा कोई गठबंधन कामयाब नहीं होगा। पवार कांग्रेस को शामिल करने की पैरवी कर चुके हैं। क्षेत्रीय दलों के सामने संकट यह है कि फिलहाल कांग्रेस उनकी प्रतिद्वन्दी हो या नहीं कि किन्तु गठबंधन के बाद कांग्रेस के विस्तार से बचना संभव नहीं है। ऐसे में क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व को भाजपा के साथ कांग्रेस से भी उतना बड़ा खतरा नजर आता है। फर्क सिर्फ इतना है कि भाजपा से खतरा प्रत्यक्ष है और कांग्रेस से पर्दे के पीछे। यही वजह है कि भाजपा के साथ ही क्षेत्रीय दल कांग्रेस से भी समान दूरी बनाने रखने की कवायद में जुटे हुए हैं। पवार को इस बात का एहसास है कि कांग्रेस के बगैर गैर भाजपा विपक्षी गठबंधन बेहद कमजोर साबित होगा, इसीलिए पंवार कांग्रेस को शामिल करने पर जोर देते रहे हैं। पंवार की यह बात क्षेत्रीय दलों के गले नहीं उतरती। इसका कारण भी साफ है कि कांग्रेस से भी क्षेत्रीय दलों को उनके राज्य में उतनी ही बड़ी चुनौती है, जितनी कि भाजपा से। ऐसे में सीटों के बंटवारे में कांग्रेस का सबसे बड़ा हिस्सा रहेगा। विशेषकर ऐसे राज्यों में जहां विपक्षी पार्टी के तौर पर सिर्फ कांग्रेस का मजबूत आधार है। कांग्रेस ही एकमात्र ऐसा दल है जिनका सांगठनिक आधार पूरे देश में मौजूद है। ऐसे में विपक्षी एकता में कांग्रेसी की हिस्सेदारी सभी राज्यों में होगी। कांग्रेस को शामिल करने का मतलब यह है भी है कि जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों की सत्ता है, उनमें सीटों में हिस्सेदारी भी करना, जिसके क्षेत्रीय दल प्रारंभ से ही सख्त खिलाफ हैं। दरअसल क्षेत्रीय दल अपने जनाधार वाले राज्यों को छोड़ कर दूसरे राज्यों में सत्ता में भागीदारी चाहते हैं। उन राज्यों में भी कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मौजूद है। ऐसे में कांग्रेस को अकेला छोडना आसान नहीं है। भाजपा के खिलाफ एकजुटता में क्षेत्रीय दलों का कांग्रेस को साथ नहीं लेना भी दशार्ता है कि उन्हें घर में सेंध लगने की चिन्ता है। क्षेत्रीय दलों ने

अपनी सत्ता बढ़ाने के लिए दूसरे राज्यों में पहल भी की तो इसमें खास सफलता हाथ नहीं लगी। दरअसल क्षेत्रीय दलों की एकजुटता में कांग्रेस गले की फांस बनी हुई है। कांग्रेस के बगैर इनकी एकजुटता अधूरी है। भाजपा से राजनीतिक जंग कांग्रेस को शामिल किए बगैर नहीं लड़ी जा सकती। किन्तु अन्य क्षेत्रीय दलों को जितना डर भाजपा से सताता है, उतना ही कांग्रेस से भी है। कांग्रेस भी उनकी उतनी बड़ी प्रतिद्वन्दी है, जितनी की भाजपा। अंतर यही है कि क्षेत्रीय दल कांग्रेस का नाम लेने से कतराते हैं। इसी वजह से कांग्रेस को गठबंधन में शामिल करने से भी कतराते हैं। क्षेत्रीय दलों की एकजुटता में बाधा सिर्फ कांग्रेस ही नहीं है, बल्कि ऐसे दूसरे महत्वपूर्ण मुद्दे भी हैं, जिन पर एकराय कायम करना टेड़ी खीर है। जिन राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों का संगठन और सत्ता नहीं है, वहां चुनाव में किस आधार पर आह्वान करने का फायदा क्या होगा। ऐसे राज्यों में फायदा तो कांग्रेस या भाजपा को ही होना है। कुछ छुटभैय्या किस्म के राजनीतिक दल यदि ऐसे राज्यों में हैं भी तो जनमानस को उनकी तरफ मोड ?ा इतना आसान नहीं हैं। कागजी जैसे राजनीतिक दलों के पास भी पूरे राज्य में मजबूत संगठन मौजूद नहीं है। कुछ क्षेत्रीय और जातीय बैल्ट तक ही उनकी राजनीतिक सीमित है। फिर भी सारे क्षेत्रीय दल यदि एकजुट होकर अपना प्रत्याशी भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ उतार भी दें तो उनके टिकट वितरण में ही सिर फुटव्वल की नौबत आ जाएगी। प्रत्याशियों को चुनना और उनके लिए चुनावी खर्चे का इंतजाम करना आसान काम नहीं है। पूर्व में ऐसा हो चुका है कि दूसरे राज्यों में कुछ सीटें जीतने के बाद क्षेत्रीय दल के विधायक कांग्रेस या भाजपा की झोली में चले गए। ऐसे में कुछ सीटें जीतने के बावजूद क्षेत्रीय दलों के लिए यह खतरा हमेशा बना रहेगा।

क्षेत्रीय दलों के गठबंधन में प्रमुख बाधा क्षेत्रीय दल वाले ही पड़ौसी राज्य भी हैं। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों में आपस में ही प्रतिस्पर्धा है। हर क्षेत्रीय दल अपने पड़ौसी राज्य में अपना विस्तार चाहता है। ऐसे में दूसरे क्षेत्रीय दलों से टकराव होना तय है।

ऐसा अब तक होता भी रहा है। एकता की राह में एक और बड़ी बाधा चुनावी घोषणा पत्र है। इसमें मुद्दे तय करने में सबके अपने-अपने हित है। सिर्फ भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ लिख कर घोषणा पत्र पूरा नहीं किया जा सकता है। इतना जरूर है कि यदि गठबंधन चाहे क्षेत्रीय दलों के आधार वाले राज्यों में हो या फिर दूसरे राज्यों में, विकास का मुद्दा बेशक हाशिए पर चला जाए पर अल्पसंख्यकों का मुद्दा प्रमुख रहेगा। क्षेत्रीय पार्टियां राष्ट्रीय जिम्मेदारी निभाने से बचती रही हैं। यही वजह रही कि आतंकावाद के खिलाफ बोलने और कार्रवाई में क्षेत्रीय दलों ने पूरे मनोयोग के साथ कार्रवाई को अंजाम नहीं दिया। यहां तक की इसकी भर्त्सना भी दबे-छिपे स्वरों में ही की है। क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में अल्पसंख्यकों का वोट बैंक खिसकने के भय से कठोर कार्रवाई से मुंह चुराते रहे हैं। इसका उदाहरण पश्चिमी बंगाल और बिहार रहे हैं। पश्चिमी बंगाल में राज्य की पुलिस ने आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की हिम्मत नहीं जुटाई। इंटेलीजेंस की सूचनाओं के बाद आखिरकार केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वर्ष 2020 में एनआईए ने छापा मार कर केरल और बंगाल से अलकायदा समर्थित 9 आतंकियों को गिरफ्तार किया था। आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने के मामले में पश्चिमी बंगाल की तरह केरल और बिहार का ट्रेक भी खराब रहा है। इससे पहले भी भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा और आतंकियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इन दोनों राज्यों में क्षेत्रीय दलों की सरकारों का वर्चस्व रहा है। केरल में कम्युनिस्ट और बिहार में लालू यादव के शासन के दौरान केंद्रीय एजेंसियों ने कई बार आतंकियों की धरपकड़ की है। सिर्फ अल्पसंख्यकों का ही नहीं बल्कि क्षेत्रीय दलों के सामने भ्रष्टाचार से निपटना भी प्रमुख चुनौती रही है। इस विषबेल का क्षेत्रीय दलों ने मुखर विरोध नहीं किया। अलबत्ता केन्द्रीय जांच ब्यूरो और ईडी की कार्रवाई का पुरजोर विरोध अवश्य किया है। ईडी और सीबीआई की भ्रष्टाचार की कार्रवाई के खिलाफ तो ममता बनर्जी धरने-प्रदर्शन पर उतर आई। इस मुद्दे पर भी इन दलों ने कभी एकराय व्यक्त नहीं की। ममता हो या चंद्रशेखर राव, किसी के लिए भी कांग्रेस को शामिल किए बगैर राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ गठबंधन बनाना आसान नहीं है। यदि ऐसा गठबंधन बन भी गया तो वह कांग्रेस के बगैर वह रीढविहीन ही होगा।

क्षेत्रीय दलों को देश की एकता-अखंडता के मुद्दे पर अपना नरम रवैया छोडना होगा। इसके साथ ही देश के विकास का मजबूत खाका पेश करना होगा। भ्रष्टाचार और विकास के लिए रोडमैप देश के सामने रखना होगा।

# सरयू से संगम तक: यूपी का पांचवां इम्तिहान, 12 जिलों की 61 सीटों का पूरा प्लान

**अभिनय आकाश**

**पांचवें** फेज की जंग अयोध्या और प्रयागराज जैसे जिलों में होनी है। जिसके लिए 27 फरवरी को 12 जिलों की 61 सीट पर वोट डाले जाएंगे। लेकिन इस रण को जीतने के लिए सभी राजनीतिक दलों से एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। कल मायावती प्रयागराज में थी तो अखिलेश यादव सुल्तानपुर में दिखे। अमित शाह बाराबंकी से अपने विरोधियों पर हमला बोल रहे थे। लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये है कि चक्रव्यूह के पांचवें द्वार को कौन भेदेगा। चौथे चरण की वोटिंग हो चुकी है और अब पांचवें चरण की लड़ाई तेज हो चुकी है। योगी आदित्यनाथ से लेकर अमित शाह, अखिलेश यादव से लेकर प्रियंका गांधी और मायावती से लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने पांचवें चरण के लिए पूरी ताकत लगा दी है।

पांचवें चरण के लिए यूपी के 12 जिलों की 61 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। अखिलेश ने जहां अमेठी और सुल्तानपुर में विरोधियों पर हमले बोल रहे थे तो बाराबंकी से भाजपा के चाणक्य अमित शाह एक साथ सपा और बसपा पर गरज रहे थे। मायावती प्रयागराज की सभी 12 सीटों पर हाथी की रफ्तार बढ़ा रही थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में चुनावी रैली की तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेठी में कांग्रेस को निशाने पर लिया।

**यूपी की इन 12 जिलों में वोटिंग-** अमेठी, रायबरेली , सुल्तानपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, प्रयागराज,

बाराबंकी, अयोध्या, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा

**2017 में बीजेपी का 90 प्रतिशत रहा था स्ट्राइक रेट-**गौरतलब है कि यूपी की चुनावी लड़ाई सपा और भाजपा के बीच नजर आ रही है। इस रेस में कांग्रेस और बसपा पीछे दिखा दे रहे हैं। हालांकि प्रियंका गांधी वाड्रा पूरा जोर लगा रही हैं। लेकिन बसपा पर आरोप लग रहे हैं कि मायावती इस चुनाव को ठीक तरीके से नहीं लड़ रही हैं। जिस तरह से उन्हें लड़ना चाहिए क्योंकि प्रयागराज की रैली में भीड़ तो आई लेकिन उनके बयानों में वो आक्रमकता नहीं दिखी जो उनके कार्यकर्ताओं में जोश भर सके। उत्तर प्रदेश में 27 फरवरी को पांचवें चरण की जिन 61 सीटों पर वोट डाले जाने हैं उनमें से करीब 90 फीसदी सीटों पर बीजेपी और उसकी सहयोगियों का बोलबाला है। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में इन 61 सीटों में से 51 सीटें बीजेपी के खाते में गईं थीं जबकि उसकी सहयोगी अपना दल (एस) को दो सीटें प्राप्त हुई थीं। 2017 के चुनाव में दो अच्छे लड़के (अखिलेश-राहुल) की टीम बनाकर चुनावी मैदान में उतरी समाजवादी पार्टी को महज पांच सीटों से संतोष करना पड़ा था को उसकी सहयोगी कांग्रेस को एक सीट हासिल हुई थी। निर्दलीय के खाते में दो सीटें गई थी जबकि बहनजी की पार्टी का तो खाता भी नहीं खुल पाया था।

**जन्मभूमि से कर्मभूमि तक-**बात धर्म की हो और धर्मनगरी अयोध्या की तो बीजेपी की बात होना लाजिमी है। शून्य से शिखर तक पहुंचने वाली बीजेपी के लिए अयोध्या सियासत का सबसे बड़ा तीर्थ स्थल है। राम लला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे के नारे से सत्ता के शिखर पर पहुंचने वाली बीजेपी के लिए 2024 के विधानसभा चुनाव में अयोध्या बहुत बड़ा ब्रॉन्ड बन चुका है। यूपी के पांचवें चरण के चुनावी रण में मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या से लेकर उनकी कर्मभूमि चित्रकूट और प्रयागराज में भी मतदान होगा। 2017 के चुनाव में अयोध्या की सभी पांच सीटों पर भगवा लहराया था। ज्ञात हो कि प्रभु राम ने वनवास के करीब 11 साल चित्रकूट में व्यतित किए थे जहां पिछले चुनाव में 2 सीटों पर कमल खिला था। अयोध्या का विकास मॉडल भी योगी के चुनाव प्रचार का अहम हिस्सा बना हुआ है और राम मंदिर का निर्माण भी पूरे जोर-शोर से चल रहा है। इसका फायदा भी बीजेपी को मिलने की संभावना जताई जा रही है।

**आधा दर्जन मंत्री की साख दांव पर-** पांचवें चरण के चुनाव में योगी सरकार के कई दिग्गज मंत्रियों की साख दांव पर लगी है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सिराथू सीट से चुनावी मैदान में हैं तो वहीं कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह पट्टी सीट से किस्मत आजमा रहे हैं। इसके अलावा इलाहाबाद की पश्चिम सीट से कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनार्थ सिंह, इलाहाबाद दक्षिण से नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल नंदी चुनाव लड़ रहे हैं। चित्रकूट सदर से चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय तो वहीं मनकापुर की सुरक्षित सीट से समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री चुनावी मैदान में हैं।

**- अभिनय आकाश**

# अहमदाबाद ब्लास्ट केस: सबको अपने किये का फल भुगतना पड़ेगा

**डॉ. वेदप्रताप वैदिक**

2008 में अहमदाबाद में हुए आतंकी हमले के अपराधियों को विशेष अदालत ने जो सजा सुनाई है, वह स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी सजा है। इसमें 38 अपराधियों को मृत्युदंड, 11 को उम्रकैद और 48 पर 2.85 लाख का जुमार्ना लगाया गया है। इसके पहले 1991 में राजीव गांधी हत्याकांड में 26 लोगों को सजा-ए-मौत हुई थी। इस आतंकवादी हमले में 56 लोग मारे गए थे और 240 लोग घायल हुए थे। 70 मिनिट में 21 बम फटे थे। यदि सूरत में मिले 29 बम और फट जाते तो पता नहीं कितने लोग मरते। इस मुकदमे का फैसला आने में 14 साल लग गए, यह अपने आप में अच्छी बात नहीं है। इन अपराधियों को यदि साल-दो साल में ही फांसी पर लटका दिया जाता तो इस सजा का कहीं ज्यादा असर होता लेकिन सैकड़ों गवाहों से पूछताछ और पुलिस की खोजबीन अच्छी तरह से इसीलिए की गई कि न्याय में कमी न रह जाए। न्यायाधीशों ने गहराई में जाकर निष्पक्ष फैसला करने की कोशिश की है। 7 हजार पृष्ठ के इस फैसले में 77 आरोपियों में से 22 को बरी कर दिया गया है। यदि यह फैसला जल्दबाजी में होता तो ये 22 लोग भी लटका दिए जाते। इस फैसले को सांप्रदायिक नजरिए से देखना भी उचित नहीं है। इस आतंकी हमले की सारी पोल जिसने खोली है, वह भी एक मुसलमान ही है। उसका नाम अयाज सय्यद है। भारत के औसत मुसलमानों को भी इस आतंकवादी हादसे ने बुरी तरह आहत किया था। इस हमले की जिम्मेदारी इंडियन मुजाहिदीन और स्टूडेंटस इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया नामक संगठनों ने ली थी। पुलिस की जांच-पड़ताल से पता चला है कि इसमें गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र, केरल और कर्नाटक के आतंकवादी भी शामिल थे। एक अर्थ में यह देश के सभी मुसलमानों को बदनाम करने वाले संगठन थे। इनके सजायाफ्ता लोग में 21 से 40 साल के लोग भी हैं। ये लोग गोधरा कांड के बाद हुए दंगों का बदला लेने पर उतारु थे। इन्होंने अपने आतंकी विस्फोटों की झड़ी भारत के दूसरे शहरों में भी लगाई थी। इन्हें शायद पता नहीं है कि इनके विस्फोटों में मरे लोगों में हिंदू और मुसलमान दोनों ही थे। इन आतंकियों ने अपना निशाना तो गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और अन्य मंत्रियों को बना रखा था। जरा सोचिए कि यदि ये लोग अपने इरादों को अंजाम दे पाते तो देश के करोड़ों निर्दोष मुसलमानों की दशा क्या होती? 2002 में गुजरात के दंगों में मारे गए मुसलमानों के प्रति देश के सभी हिंदुओं और मुसलमानों को काफी अफसोस था लेकिन आतंकवादी हरकतों ने उस अफसोस को भी नदारद कर दिया।

इन आतंकवादियों को अब जो कड़ी सजा मिल रही है, उसके कारण बहुत-से घरों में अंधेरा हो जाएगा लेकिन लोगों को बड़े पैमाने पर सबक भी मिलेगा। सबक यह है कि कोई भी आतंकी कितनी ही चालाकी करे, वह न्याय के शिकंजे में फंसे बिना नहीं रहेगा। जिन परिवारों ने इस आतंकी हमले में अपने प्रियजनों को खोया है, उनके घावों पर यह मरहम भी कुछ काम नहीं करेगा। कुछ मुस्लिम संगठन अदालत के इस फैसले पर सांप्रदायिक रंग चढ़ा रहे हैं लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि भारत की अदालतें अपने फैसले जाति और मजहब के आधार पर नहीं करती हैं। आतंकवादी कोई हो, हिंदू या मुसलमान, उसे कठघरे में खड़े होना ही पड़ेगा और अपने किए का फल भुगतना ही पड़ेगा। इस फैसले ने यह सिद्ध किया है और इसका यही संदेश है कि आतंक का जवाब आतंक नहीं हो सकता।

**इस लेख में लेखक ने अपने निजी विचार व्यक्त किए हैं।**

# अखिलेश का पलायन-दंगाइयों पर चुप्पी और अब आतंकवाद पर खामोशी

**संजय सक्सेना**

**उत्तर** विधानसभा चुनाव में विभिन्न दलों नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार बना हुआ है। समाजवादी पार्टी जहां भाजपा को मंहगाई और बेरोजगारी को हथियार बनाए हुए हैं तो वहीं बीजेपी ने रणनीति के तहत पहले दो चरणों के चुनाव में पश्चिमी यूपी से हिन्दुओं के पलायन, दंगे और दंगाइयों को टिकट देने के बहाने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को घेरा तो तीसरे चरण में बीजेपी ने परिवारवाद के नाम पर सपा पर तंज कसे। चौथे चरण में आतंकवाद की इंट्री हो गई। गुजरात में सीरियल ब्लास्ट के 38 आरोपियों को कोर्ट द्वारा दोषी करार देते हुए फांसी से लेकर 11 को आजीवन कारावास तक की सजा सुनाई तो बीजेपी ने गुजरात के सीरियल ब्लास्ट की घटना का कनेक्शन समाजवादी पार्टी से जोड़ दिया। क्योंकि ब्लास्ट की जिस घटना में आजमगढ़ के रहने वाले एक आतंकवादी को फांसी की सजा सुनाई गई थी, उसके पिता समाजवादी पार्टी के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे थे। कोर्ट का फैसला आते ही प्रधानमंत्री मोदी से

लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित तमाम बीजेपी नेताओं ने अखिलेश को घेरने में कोई कोरकसर नहीं रखी। उन्नाव में प्रधानमंत्री मोदी के तो हरदोई में योगी के निशाने पर अखिलेश रहे। उन्नाव में मोदी ने सपा के चुनाव निशान साइकिल को लेकर अखिलेश पर खूब शब्दबाण चलाए। बीजेपी वालों ने गुजरात में सीरियल ब्लास्ट पर कोर्ट के फैसले पर तो अखिलेश को घेरा ही इसके अलावा आतंकवाद के वह बंद पन्ने भी खोल दिए जिसकी इबारत अखिलेश सरकार के समय तमाम खूंखार आतंकवादियों से मुकदमें वापस लेकर लिखी गई थी। इसी लिए राजनीति के जानकार भी कहते हैं कि आतंकी हमले के आरोपितों के प्रति सपा द्वारा साफ्ट कार्नर अपनाने का भाजपा का आरोप पूरी तरह निराधार नहीं है। अखिलेश सरकार के दौरान 2013 में सात जिलों में आतंकी हमले से जुड़े 14 केस एक साथ वापस लिए गए थे। हालांकि, कुछ मामलों में अदालत के मना करने के बाद आरोपितों को 20-20 साल तक की सजा तक हुई थी। सीएम रहते अखिलेश ने जिन 14 मामलों को वापस लेने का आदेश दिया था। उनमें लखनऊ के छह और कानपुर के तीन मामले थे। इसके अलावा वाराणसी, गोरखपुर, बिजनौर, रामपुर और बाराबंकी का एक-एक मामला था। पांच मार्च, 2013 को वाराणसी के जिस मामले को वापस लिया गया था, वह सात मार्च 2006 में संकट मोचन मंदिर एवं रेलवे स्टेशन कैंट पर हुए सिलसिलेवार बम धमाके से जुड़ा था। वाराणसी में एक प्रेशर कुकर में घड़ी लगा विस्फोटक दशाश्वमेध घाट पर किया गया था। इस आतंकी हमले में 28 लोगों की मौत हुई थी और 101 से अधिक लोग घायल हो गए थे। इसमें मुख्य आरोपित आतंकी संगठन हूजी से जुड़ा शमीम अहमद है। वैसे केस वापस लेने के बावजूद यह मामला अदालत में लंबित है। इसी तरह से 20 मई, 2007 को गोरखपुर के बलदेव प्लाजा, जरकल बिल्डिंग और गणेश चौराहा पर हुए सिलसिलेवार विस्फोट के मामले को राज्य सरकार ने वापस ले लिया। वैसे अदालत ने सरकार के आदेश को मानने से इन्कार कर दिया और बाद में दोषियों को 20 साल सश्रम कारावास की सजा हुई। वहीं कई मामलों में अदालत ने सरकार के फैसले को मानते हुए केस को खत्म कर दिया और आरोपित पूरी तरह से दोषमुक्त हो गए। चौथे चरण के मतदान के लिए हरदोई में पार्टी प्रत्याशियों के लिए जनसभा करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर खूब निशाना साधा। शाहाबाद की जनसभा में मुख्यमंत्री बोले, गुजरात में आतंकियों को फांसी की सजा सुनाई गई तो सपा को बहुत तकलीफ हुई। देश के दुश्मन भी इनके दोस्त हैं।

## लॉरेन डाउन अंगूठे में फ्रेक्चर के कारण महिला वनडे वर्ल्ड कप से हुई बाहर

**क्राइस्टचर्च.** न्यूजीलैंड की बल्लेबाज लॉरेन डाउन भारत के खिलाफ पांचवें एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान दाएं हाथ के अंगूठे में फ्रेक्चर के कारण स्वदेश में होने वाले आगामी महिला एकदिवसीय विश्व कप में नहीं खेल पाएंगी। डाउन की जगह जॉर्जिया प्लिमर लेंगी जो घरेलू क्रिकेट में वेलिंगटन ब्लेज की ओर से खेलती हैं।

आकलैंड की तेज गेंदबाज मोली पेनफोल्ड भी रिजर्व खिलाड़ी के रूप में टीम के साथ यात्रा करेंगी। मुख्य कोच बॉब कार्टर ने शनिवार को कहा, पूरी टीम लॉरेन के लिए निराश है। वह टीम की काफी लोकप्रिय खिलाड़ी हैं और यह कहना उचित होगा कि जब उनके टीम से बाहर होने की खबर आई तो टीम काफी भावुक हो गई।

भारत के खिलाफ पांचवें एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में कैच पकड़ने के दौरान डाउन को चोट लगी। वह अब अपने राज्य लौटेंगी और इलाज कराएंगी।कार्टर ने कहा, आप देख सकते हैं कि भारत के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में डाउन का क्या प्रभाव रहा। उसने मध्यक्रम में कुछ परिपक्व पारियां खेली और उसका क्षेत्ररक्षण शानदार था। उन्होंने कहा, हम उनके उबरने की कामना करते हैं और हमें पता है कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान वह हमारा समर्थन करेगी।

न्यूजीलैंड विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगा।

## शेन वॉर्न ने इंग्लैंड के हेड कोच बनने की इच्छा जाहिर की, कहा- ये एक बढ़िया जॉब होगा

**नई दिल्ली.** ऑस्ट्रेलिया के हाथों एशेज सीरीज में 0-4 की शर्मनाक हार के बाद इंग्लैंड ने अपने हेड कोच क्रिस सिल्वरवुड (Chris Silverwood) को बर्खास्त कर दिया था। उसके बाद से टीम नए कोच की तलाश में है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न (Shane Warne) ने अब इंग्लैंड के हेड कोच (EnglandÓs Head Coach) बनने अच्छा जाहिर की है। वॉर्न ने कहा है कि अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह इस रोल को अदा करने के लिए तैयार हैं। इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज के दौरे पर है और पूर्व क्रिकेटर पॉल कॉलिंगवुड को इस दौरे के लिए टीम का अंतरिम कोच बनाया गया है। लेकिन टीम को सिल्वरवुड के उत्तराधिकारी की खोज है।

शेन वॉर्न ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट पॉडकास्ट में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के हेड कोच के खाली पद को लेकर कहा कि अगर उन्हें मौका मिलता है तो वो इंग्लैंड टीम को कोचिंग देना चाहेंगे। वॉर्न ने कहा, मझे अच्छा लगेगा अगर मैं कोच बनता हूं। इंग्लैंड टीम के कोच बनने का ये अच्छा समय है। मुझे लगता है ये एक बढ़िया जॉब होगा, जिसमें करने को काफी कुछ रहेगा। इंग्लैंड की टीम में कई सारे अच्छे खिलाड़ी हैं। उनकी टीम में गहराई है। बस उनकी बेसिक्स सवारनी है।

## भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली ने इस खिलाड़ी को बताया आगामी वर्ल्ड कप में टीम का उपकप्तान

**नई दिल्ली.** भारत की कप्तान मिताली राज ने शनिवार को इस बात की पुष्टि कर दी है कि आगामी वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप में हरमनप्रीत कौर टीम में उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी। हालांकि न्यीजीलैंड के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के आखिरी दो मैचों में उपकप्तान की जिम्मेदारी दीप्ति शर्मा को दी गई थी।हरमनप्रीत कौर चौथे वनडे मैच में उपलब्ध नहीं थी लेकिन 5वें वनडे में वापसी करने के बाद भी उन्हें उपकप्तानी की जिम्मेदारी नहीं दी गई और दीप्ति उप-कप्तान बनी रहीं।हालांकि अब इसको लेकर स्थिति साफ हो गई है। टीम की कप्तान मिताली ने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, ÷दीप्ति को पिछले दो वनडे के लिए उप-कप्तान के रूप में चुना जाना चयनकर्ताओं और बीसीसीआई की पसंद थी। हरमनप्रीत विश्व कप के लिए उप-कप्तान हैं।

आपको बता दें कि भारतीय महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 4 मार्च से 3 अप्रैल के बीच न्यूजीलैंड में खेला जाएगा। हालांकि भारतीय महिला टीम अपने अभियान की शुरुआत 6 मार्च को पाकिस्तान के खिलाफ मैच से करेगी।

इस वर्ल्ड कप में कप्तान मिताली राज की कोशिश होगी कि वो अपने वर्ल्ड कप के अनुभवों को फायदा उठाए और युवा खिलाड़ियों को भी इसके लिए प्रेरित करे।उन्होंने युवा खिलाड़ियों को कहा ÷ मेरी युवाओं खिलाड़ियों से यही अपील है कि वो इस बड़े मंच को एंज्वाय करें और बिना किसी अतिरिक्त दबाव के खेलें। यदि वो दबाव लेंगी तो अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पाएंगी।

# NZ vs SA, wnd Test: दक्षिण अफ्रीका 364 रन पर सिमटा, कगिसो रबाडा ने न्यूजीलैंड को बैकफुट पर धकेला

**नई दिल्ली.** निचले क्रम की उम्दा बल्लेबाजी के बाद कागिसो रबाडा की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 157 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा। दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले, पहली पारी में 364 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से कोलिन डि ग्रैंडहोम ने सिर्फ 36 गेंद में अर्धशतक जड़ा और फिर काफी धीमी बल्लेबाजी करते हुए दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद 54 रन बनाए। दूसरे छोर पर डेरिल मिशेल 29 रन पर नॉटआउट हैं। दोनों छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी कर चुके हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब भी दक्षिण अफ्रीका से 207 रन से पीछे है जबकि उसके पांच विकेट शेष हैं।

दूसरे दिन पहला और आखिरी घंटा छोड़कर बाकी दिन दक्षिण अफ्रीका का दबदबा रहा। टीम ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 238 रन से की लेकिन न्यूजीलैंड ने लंच से पहले 60 रन पर चार विकेट चटकाकर मेहमान टीम का स्कोर सात विकेट पर 298 रन कर दिया। जेनसन और महाराज ने हालांकि नौवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया।इससे पहले, सलामी बल्लेबाज सैरेल इरवी ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़ते हुए 108 रन बनाए। हेगले ओवल के इसी मैदान पर दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले टेस्ट की दो पारियों में 95 और 111 रन ही बना सकी थी। रबाडा ने इसके बाद न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को झकझोरा। इस तेज गेंदबाज ने पहले ही ओवर में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम (00) को विकेटकीपर काइल वेरेने के हाथों कैच कराके के बाद पांचवें ओवर में विल यंग (03) को भी उनके हाथों लपकवाकर मेजबान टीम का स्कोर नौ रन पर दो विकेट किया। दक्षिण अफ्रीका में जन्में

डेवोन कॉनवे 16 रन बनाकर जेनसन का शिकार बने जबकि इस तेज गेंदबाज ने पहले टेस्ट में शतक जड़ने वाले हेनरी निकोल्स (39) को भी इर्वी के हाथों कैच कराया। रबादा ने टॉम ब्लंडेल (06) को बोल्ड करके न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 91 रन किया। मिशेल और ग्रैंडहोम ने हालांकि इसके बाद अर्धशतकीय साझेदारी करके दि का खेल खत्म होने तक दक्षिण अफ्रीक के गेंदबाजों को और सफलता हासिल नहीं करने दी।

## MS Dhoni की बढ़ीं मुश्किलें, अब इस स्टार प्लेयर पर मंडराया IPL 2022 से बाहर होने का खतरा

**नई दिल्ली.** भारत और श्रीलंका के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली जा रही, इसी बीच टीम इंडिया को एक तगड़ा झटका लगा है. ऋतुराज गायकवाड़ पूरी श्रीलंका सीरीज से बाहर हो गए हैं. इससे चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. वहीं, धोनी के माथे पर भी शिकन आ रही है.

**धोनी की मुश्किलें बढ़ीं**

आईपीएल 2022 में अब कुछ दिन ही बाकि हैं, लेकिन उससे पहले ही चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को दो दोहरे झटके लग सकते हैं. दीपक चाहर के पहले ही आईपीएल में खेलने पर मुश्किल नजर आ रही है. अब ऋतुराज गायकवाड़ भी चोटिल हो गए हैं. ऐसे में उनके खेलने पर भी सवालिया निशान लगा हुआ है. पिछले सीजन इन दोनों ने ही सीएसके को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका अदा की थी. अगर ऋतुराज गायकवाड़ आईपीएल 2022 में नहीं खेल पाते हैं, तो ये चेन्नई सुपर किंग्स के लिए किसी सदमें से कम नहीं होगा.

शानदार बल्लेबाज हैं ऋतुराज गायकवाड़

पिछले दो आईपीएल सीजन में इस खिलाड़ी ने अपना नाम पूरी दुनिया में बना लिया है. उनके बल्ले की गूंज से विरोधी खेमे के गेंदबाज कांपते हैं. ऋतुराज गायकवाड़ (Ruturaj Gaikwad) ने आईपीएल 2021 में अपने खेल से सभी का दिल जीत लिया था. उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए धांसू बैटिंग करते हुए 14 मैचों में 636 जड़े, जिसमें एक आतिशी शतक शामिल था. वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे. आईपीएल 2022 में महेंद्र सिंह धोनी को खतरनाक प्रदर्शन की आस होगी. वह अपने आप को एक खतरनाक बल्लेबाज के रूप में स्थापित कर चुके हैं.

घरेलू टूर्नामेंट में दिखाया दम

ऋतुराज गायकवाड़ (Ruturaj Gaikwad) ने अपने खेल से सभी का दिल जीत लिया है. आईपीएल में ऑरेंज कैप जीतने के बाद उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में लगातार चार शतक लगाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है.

## IND vs SL: रिकी पोंटिंग का उदहाण देते हुए सुनील गावस्कर ने विराट कोहली को बताया टेस्ट में नंबर तीन का बेहतरीन विकल्प

**नई दिल्ली.** भारतीय पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट में चेतेश्वर पुजारा की जगह विराट कोहली को नंबर तीन के लिए बेहतरीन विकल्प बताया है। भारत को श्रीलंका के खिलाफ टी20 के बाद दो टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को चयनकर्ताओं ने टीम से बाहर का रास्ता दिखाया है। पुजारा के साथ अजिंक्य रहाणे, रिद्धिमान साहा और ईशांत शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है।पुजारा के जाने के बाद नंबर तीन पर बल्लेबाजी कौन करेगा यह बड़ा सवाल है। कप्तान रोहित शर्मा के साथ बतौर सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल खेलते हुए दिखाई देंगे। तीन नंबर के लिए टीम

इंडिया के पास शुभम गिल और हनुमा विहारी जैसे ऑप्शन है, मगर गावस्कर का कहना है कि इस स्थान पर विराट कोहली को उतरना चाहिए।इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में पूर्व कप्तान ने कहा ÷विराट कोहली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना चाहिए। क्योंकि दुनिया के जितने बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं जैसे रिकी पोंटिंग तीसरे नंबर पर बैटिंग करते थे। वहीं जो रूट चौथे नंबर पर आते हैं लेकिन मेरे हिसाब से वो वेस्टइंडीज टूर पर तीसरे नंबर पर खेलेंगे। अगर सलामी बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाते हैं तो विराट कोहली काफी बेहतरीन तरीके से नई गेंद का सामना कर सकते हैं।÷उन्होंने आगे कहा ÷वो टीम के लिए बेहतरीन साझेदारी करने में सक्षम हैं और पारी को आगे बढ़ा सकते हैं। इसलिए विराट कोहली का तीसरे नंबर पर खेलना सही रहेगा। अगर आप कोहली को इस पोजिशन पर नहीं खिलाते हैं तो फिर हनुमा विहारी को मौका दे सकते हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका में काफी साहस दिखाया था।भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 4 मार्च से मोहाली में खेला जाना है। यह विराट कोहली का 100वां टेस्ट मैच होगा। इसके बाद टीम इंडिया लंका के खिलाफ 12 मार्च से बेंगलुरु में पिंक बॉल टेस्ट खेलेगी।

# महिला वनडे वर्ल्ड कप 2022 से पहले बोलीं मिताली राज- युवा खिलाड़ियों को अधिक मौके मिले

**नई दिल्ली.** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज का मानना है कि शेफाली वर्मा और रिचा घोष जैसी युवा खिलाड़ियों ने दिखाया है कि उनमें शीर्ष स्तर पर चुनौती पेश करने की क्षमता है और पिछली कुछ सीरीज से अगले महीने होने वाले महिला वनडे वर्ल्ड कप 2022 (women's ODI World Cup) से पहले टीम को अपना संयोजन तैयार करने में मदद मिली है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में कुछ नई प्रतिभाओं को आजमाया। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2022 विश्व कप न्यूजीलैंड में चार मार्च से शुरू होगा। भारत छह मार्च को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करेगा। कप्तानों की मीडिया कांफ्रेंस के दूसरे दिन मिताली ने कहा, हमने टीम में कुछ युवा प्रतिभाओं को आजमाया और उनमें से अधिकतर ने दिखाया कि उनमें इस स्तर पर खेलने की क्षमता है। इनमें रिचा, शेफाली जैसी खिलाड़ी शमिल हैं, हमारे पास तेज गेंदबाजों में मेघना सिंह, पूजा वस्त्रकार हैं। इन सभी को काफी मैच खेलने को मिले हैं और इन सीरीज से कप्तान के रूप में मुझे काफी मदद मिली कि वे टीम के संयोजन में कहां फिट बैठती हैं।रिकॉर्ड छठे आईसीसी विश्व कप में खेलने जा रही मिताली ने कहा कि वह अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखना चाहती हैं। उन्होंने कहा, जहां तक मेरी बात है तो मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं और मैं विश्व कप में इस फॉर्म को जारी रखना चाहती हूं। भारतीय कप्तान ने विश्व कप में पहली बार खेलने जा रही खिलाड़ियों को सलाह दी है कि वे दबाव नहीं लें और बड़े मंच पर खेलने का लुत्फ उठाएं।

# IND vs SL wnd T20 Dreamvv prediction: धर्मशाला की पिच रिपोर्ट से लेकर खिलाड़ियों की चोट तक

**नई दिल्ली.** भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैच की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला आज यानि 26 फरवरी, शनिवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में शाम 7 बजे से खेला जाना है। पहले मैच में 62 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज करने वाली टीम इंडिया की नजरें जहां सीरीज में अजेय बढ़त बनाने पर होगी, वहीं मेहमान टीम इस मैच के जरिए सीरीज में वापसी करना चाहेगी। आइए मैच से पहले भारत और श्रीलंका की प्लेइंग इलेवन, ड्रीम11, पिच रिपोर्ट और वेदर रिपोर्ट के बारे में जानते हैं।

भारत बनाम श्रीलंका दूसरे टी20 की ड्रीम11

ईशान किशन, रोहित शर्मा (कप्तान), श्रेयस अय्यर, चरित असलंका, पथुम निसानका, रवींद्र जडेजा, दासुन शनाका, वेंकटेश अय्यर (VC), भुवनेश्वर कुमार, युजवेंद्र चहल, प्रवीण जयविक्रमा

भारत बनाम श्रीलंका दूसरे टी20 की संभावित प्लेइंग XIभारत. ईशान किशन, रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, वेंकटेश अय्यर, रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, दीपक हुड्डा, भुवनेश्वर कुमार, रवि बिश्नोई, युजवेंद्र चहलश्रीलंका. निरोशन डिकवेला, पथुम निसानका, चरित असलांका, जेनिथ लियानागे, धनंजया डी सिल्वा, दासुन शनाका, चमिका करुणारत्ने, दुष्मंथा चमीरा, जेफरी वांडरसे, प्रवीण जयविक्रमा, लाहिरु कुमारा।भारत बनाम श्रीलंका दूसरा टी20 पिच और वेदर रिपोर्ट पिछली बार धर्मशाला में 2016 में आखिरी ञ20ढ्ढ मुकाबला टी20 वर्ल्ड कप के दौरान खेला गया था। इस दौरान 5 मैच पूरे हुए थे, वहीं दो मैच का कोई परिणाम नहीं निकल पाया था। 2019 में धर्मशाला को भारत-दक्षिण अफ्रीका मुकाबले की मेजबानी मिली थी, मगर वह मैच बारिश की भेंट चढ़ा था। टीम इंडिया आखिरी बार 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस मैदान पर खेली थी जब रोहित शर्मा ने शतक जड़ा था। मगर मेहमान टीम 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में सफल रही थी। इस मैदान पर पूरे हुए पिछले 6 मुकाबलों में दो बार लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने जीत दर्ज की है, वहीं चार बार पहले बल्लेबाजी करने वाले टीम जीत दर्ज करने में कामयाब रही है। आज के मुकाबले में बारिश का अनुमान है लेकिन रविवार को जब तीसरा टी20 मैच खेला जाएगा तब मौसम साफ रहेगा। टीमों को लखनऊ की तुलना में तापमान में भारी बदलाव का भी अनुभव होगा।भारत बनाम श्रीलंका हेड टू हेडभारत और श्रीलंका के टी20 क्रिकेट में हेड टू हेड मुकाबलों पर नजर डालें तो टीम इंडिया 15 जीत के साथ लीड कर रही है, वहीं श्रीलंका को भारत के खिलाफ मात्र 7 ही जीत मिली है। वहीं भारत का अपने घर लंका पर दबदबा रहा है।

# सेलेक्टर्स की वजह से बर्बाद हो रहा इस गेंदबाज का करियर! Jasprit Bumrah-Lasith Malinga जैसा है खूंखार

**नई दिल्ली.** भारतीय टीम से खेलने का सपना हर किसी का होता है, लेकिन ये मौका बहुत ही कम लोगों को नसीब होता है. भारतीय टीम में आने को एक स्टार गेंदबाज तरस रहा है. सेलेक्टर्स इस प्लेयर को मौका नहीं दे रहे हैं. ये स्टार गेंदबाज बहुत ही घातक गेंदबाजी करता है. ये प्लेयर अपने जसप्रीत बुमराह और लसिथ मलिंगा की तरह गेंदबाजी करता हैं.

**इस खिलाड़ी को नहीं मिला मौका**

पिछले कुछ सालों में भारतीय तेज गेंदबाजों ने अपना डंका सारी दुनिया में बजाया है. इन्हीं गेंदबाजों में से एक नवदीप सैनी भी हैं, लेकिन सैनी को श्रीलंका के खिलाफ टी20 और टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया है. जबकि वह बहुत ही शानदार फॉर्म में थे. नवदीप (Navdeep Saini) के पास लगातार 140 किलोमीटर से ज्यादा तेज गेंद फेंकने का टैलेंट है. उनकी गेंदबाजी की कायल पूरी दुनिया है. नवदीप सैनी (Navdeep Saini) को भारतीय पिचों पर रिवर्स स्विंग करने में महारथ हासिल है. वह बिल्कुल विकेट्स के पास गेंदबाजी करते हैं ताकि ऐज लगने पर विकेट मिल जाए. वह जसप्रीत बुमराह के बॉलिंग पार्टनर बन सकते थे.

बुमराह मलिंगा की तरह है धारदार गेंदबाजी

नवदीप सैनी (Navdeep Saini) अपनी घातक गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते हैं. साल 2020 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में हराकर सीरीज 2-1 से जीती थी. इस सीरीज में नवदीप (Navdeep Saini) ने धमाकेदार गेंदबाजी की थी. नवदीप बहुत ही किफायती भी साबित होते हैं. जब भी कप्तान को विकेट की जरूरत होती है, वह नवदीप का नंबर घुमा देते हैं. आईपीएल (IPL) में इस खिलाड़ी ने अपनी खतरनाक गेंदबाजी का जलवा दिखाया था. वह डेथ ओवर्स में बहुत ही खतरनाक गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते हैं और काफी किफायती भी साबित होते हैं. नवदीप सैनी यॉर्कर बिल्कुल जसप्रीत बुमराह के अंदाज में फेंकते हैं.

शानदार रहा है नवदीप का करियर

नवदीप सैनी (Navdeep Saini) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2019 में अपना वनडे डेब्यू किया था और टी20 भी वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी साल किया था. नवदीप अपनी स्विंग गेंदों के लिए जाने जाते हैं. अपने पहले ही टी20 मैच में सैनी ने तीन विकेट चटकाए थे, जिसमें कीरोन पोलार्ड का बड़ा विकेट शामिल था. नवदीप ने भारतीय टीम के लिए 2 टेस्ट में 4 विकेट, 8 वनडे मैचों में 6 विकेट और 11 टी20 मैचों में 13 विकेट चटकाए हैं. उनकी लाइन और लेंथ बहुत ही सटीक रहती है.

## मिलिट्री पावर में कौन सा देश है नंबर 1, क्या है भारत की पोजीशन?; जानें सबकुछ

**मॉस्को**. शक्तिशाली रूस ने यूक्रेन पर हमला (Russia-Ukraine War) कर दिया है और माना जा रहा है कि अगले कुछ घंटों में वो पूरे यूक्रेन पर कब्जा कर लेगा. इस लड़ाई में अमेरिका (America) और पश्चिमी देशों के भी शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने आखिरी वक्त पर हाथ खड़े कर दिए. यदि अमेरिका इस जंग का हिस्सा बनता, तो तस्वीर पूरी तरह से अलग हो सकती थी. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि क्या रूस अमेरिका का सामना कर पाता? दोनों में से किसकी सेना ज्यादा शक्तिशाली है? डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के पास दुनिया की दूसरी सबसे शक्तिशाली सेना (Second Powerful Military) है. जबकि अमेरिका इस मामले में नंबर वन है. रिपोर्ट में Global Firepower द्वारा जारी आंकड़ों के हवाले से बताया गया है कि अमेरिका की सेना दुनिया में सबसे शक्तिशाली है. दरअसल, Global Firepower ने एक लिस्ट तैयार की है, जिसमें देशों को उनकी सैन्य शक्ति के आधार पर रैंक किया गया है.

**50 फैक्टर्स के आधार पर मिली रैंकिंग**

इस रैंकिंग को तैयार करने के लिए 50 फैक्टर्स को ध्यान में रखा गया. इस पावर इंडेक्स में अमेरिका 0.0453 स्कोर के साथ पहले स्थान पर है. इसकी एक वजह अमेरिका का 700 बिलियन डॉलर का रक्षा बजट है. दूसरे नंबर पर रूस है, जिसका स्कोर 0.0501 रखा गया है. रूस के पास करीब 900,000 सैनिक हैं. चीन की बात करें, तो वो इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है. उसके सैनिकों की संख्या 2 मिलियन के आसपास है.

Ukraine टॉप-20 में भी नहीं

ब्रिटेन का नंबर लिस्ट में भारत और फ्रांस के बाद आता है. ब्रिटेन को 8वें नंबर पर रखा गया है. ब्राजील को टॉप 10 में जगह मिली है, लेकिन रूस का सामना कर रहा यूक्रेन टॉप-20 में भी नहीं है. ऐसे में समझा जा सकता है कि उसे अमेरिका और नाटो के सहयोग की कितनी जरूरत है. यूक्रेन 22वें नंबर पर है. Global Firepower की तरफ से बताया गया है कि इस लिस्ट को कई बातों को ध्यान में रख तैयार किया गया है. जिस देश का इंडेक्स स्कोर कम है, उसकी सेना ज्यादा ताकतवर है. सबसे परफेक्ट इंडेक्स स्कोर 0.0000 है.

## Russia-Ukraine War: देश के लिए कुर्बान होने निकल पड़ी यूक्रेन की ये महिला सांसद, रूस के खिलाफ उठाए हथियार

**कीव**. यूक्रेन और रूस की जंग (Ukraine Russia war) जारी है. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की (Volodymyr Zelenskyy) ने देश के नागरिकों से हथियार उठाने और अपनी धरती की रक्षा करने की अपील की है. उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि वो यूक्रेन में हैं और लोगों की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं. यूक्रेन में अन्य कई नागरिकों और नेताओं ने भी रूस से मुकाबले करने के लिए हथियार उठा लिए हैं. इस बीच यूक्रेन की महिला सांसद कीरा रूडिक (Kira Rudik) की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें वो बंदूक पकड़े हुए नजर आ रही हैं.

सांसद की बंदूक पकड़े तस्वीर हुई वायरल

सांसद कीरा रूडिक ने हथियार थामे तस्वीरें सोशल मीडियो पर शेयर किया है. तस्वीर वायरल होने के बाद सांसद ने ट्वीट करके बताया कि वो कलाश्निकोव का उपयोग करना जानती हैं. यह बहुत ही वास्तविक लगता है क्योंकि कुछ दिन पहले यह मेरे दिमाग में कभी नहीं आएगा. यूक्रेन के पुरुषों की तरह ही हमारी महिलाएं भी देश की मिट्टी की रक्षा करेंगी.

**यूक्रेन की राजधानी कीव में घुसी रूसी सेना**

बता दें कि रूस की सेना यूक्रेन की राजधानी कीव में घुस चुकी है. इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने खुद रक्षा की जिम्मदारी संभाल ली है. कीव में राष्ट्रपति खुद ही सेना को निर्देश दे रहे हैं. लेकिन इस बीच बड़ी संख्या में यूक्रेनी नागरिक देश छोड़कर भी जा रहे हैं.

**राष्ट्रपति जेलेंस्की ने जारी किया वीडियो**

शुक्रवार देर रात यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वीडियो जारी करके बताया कि हम यहां हैं. हम कीव में हैं.

# रूस पर प्रतिबंधों की बौछार, US, UK के बाद अब तक इन देशों ने लगाया बैन

**वाशिंगटन.Russia-Ukraine War :** रूस द्वारा यूक्रेन में हमले जारी हैं और रूसी सेना राजधानी कीव पर कब्जा करने के लिए लगातार आगे बढ़ती जा रही है. यूक्रेन (ukraine) के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की (Volodymyr Zelenskyy) ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद की गुहार लगाई है. इस बीच संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम, जापान, कनाडा, ताइवान और न्यूजीलैंड ने बैंकों, तेल रिफाइनरियों और सैन्य निर्यात को लेकर रूस के खिलाफ कई प्रतिबंध लगा दिए हैं. फ्रांसीसी विदेश मंत्री जीन-यवेस ले ड्रियन ने कहा, पश्चिमी शक्तियां रूस की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के उद्देश्य से सभी उपायों को लागू कर रही हैं. मास्को के खिलाफ अब तक जिन देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं उनकी सूची नीचे दी गई है.

**संयुक्त राज्य अमेरिका**

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंगलवार को रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का ऐलान किया था. प्रतिबंधों का पहली सूची पुतिन के आंतरिक सर्कल के सदस्यों और उनके परिवारों और दो बैंकों पर निशाना बनाया जिन्हें अमेरिका क्रेमलिन और रूसी सेना के लिए महत्वपूर्ण मानता है. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन (Vladimir Putin) और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव (Sargei Lavrov) पर प्रतिबंधों की घोषणा की. इनपर अमेरिका में ट्रैवल बैन रहेगा. इसके बाद बाइडेन ने रूस के चार बैंकों पर प्रतिबंध लगा दिया है जिसके तहत रूस का तकनीकी आयात बाधित हो सकता है. इससे रूसी अरबपतियों पर असर पड़ेगा. रूस की बड़ी ऊर्ज कंपनी गजप्रोम (Gazprom) सहित 12 कंपनियों पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया. इन प्रतिबंधों से इन कंपनियों को पश्चिम के बाजार से पूंजी जुटाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. रूस को निर्यात होने वाले रक्षा और एयरोनॉटिक्स उपकरणों पर भी प्रतिबंध लगाया गया. इसके अलावा रूस को मदद करने के कारण बेलारूस कई व्यक्तियों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है.

**यूरोपीय संघ**

यूरोपीय संघ ने प्रतिबंध जारी किए हैं जो रूसी राजनेताओं और अधिकारियों को ब्लैकलिस्ट में डाल दिया है. यूरोपीय

संघ के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, रूसी राज्य बॉन्डों में व्यापार पर प्रतिबंध लगाया है और अलगाववादी संस्थाओं के साथ आयात और निर्यात को निशाना बनाया है. इन प्रतिबंधों में उन राजनेताओं को काली सूची में डाल दिया है जो पूर्वी यूक्रेन में अलग हुए क्षेत्रों को पहचानने में शामिल थे. इन उपायों का उद्देश्य रूसी राज्य और सरकार की यूरोपीय संघ की पूंजी और वित्तीय बाजारों और सेवाओं तक पहुंचने की क्षमता को लक्षित करना, एस्केलेटरी और आक्रामक नीतियों के वित्तपोषण को सीमित करना है. पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी गतिविधियों के वित्तपोषण में शामिल बैंक भी घेरे में आ गए हैं. दो क्षेत्रों डोनेट्स्क और लुहान्स्क को यूरोपीय संघ और यूक्रेन के बीच एक मुक्त व्यापार समझौते से भी हटाया जा सकता है.

**यूनाइटेड किंगडम**

यूके ने 5 रूसी बैंकों बैंक रोसिया, ब्लैक सी बैंक, जेनबैंक, आईएस बैंक और प्रोम्सवाज़ बैंक पर प्रतिबंधों की घोषणा की है. ये सभी छोटे ऋणदाता हैं. Promsvyaz bank केंद्रीय बैंक की व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण उधारदाताओं की सूची में एकमात्र बैंक है. ब्रिटेन सरकार ने पुतिन और लावरोव की सभी संपत्तियों को फ्रीज करने और अपने हवाई क्षेत्र रूसी अरबपतियों के जेट विमानों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है. पुतिन और लावरोव के अलावा कई लोगों की ब्रिटेन में संपत्ति और बैंक अकाउंट को फ्रीज करने का भी आदेश दिया गया है. इससे पहले भी ब्रिटेन ने रूस बैंक वीटीबी और रक्षा निर्माता कंपनी रोस्टेक की संपत्ति को फ्रीज कर चुका है. प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ब्रिटिश संसद को बताया, यह पहली किश्त है, जो हम करने के लिए तैयार हैं. उन्होंने आगे कहा, यूके में उनके पास जो भी संपत्ति है उसे फ्रीज कर दिया जाएगा और संबंधित व्यक्तियों के यहां यात्रा करने पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा.

जर्मनी

रूस के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों की पहली किश्त में जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने नॉर्ड स्ट्रीम 2 प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के लिए प्रमाणन प्रक्रिया को निलंबित कर दिया जो सीधे जर्मनी के माध्यम से रूसी गैस को यूरोप से जोड़ती है.

**कनाडा**

कनाडा ने पुतिन और लावरोव पर प्रतिबंध के अलावा रूस को स्विफ्ट पैमेंट सिस्टम से बाहर कर दिया है. इससे रूस को व्यापार करने में दिक्कत होगी. कनाडा ने रूस को मदद करने वाले बेलारूस पर भी कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं. कनाडा ने रूस के करीब 60 प्रभावशाली व्यक्तियों और बैंकों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं. प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनकी सरकार कनाडाई लोगों को लुहान्स्क और डोनेट्स्क के तथाकथित स्वतंत्र राज्यों के साथ सभी वित्तीय लेनदेन से प्रतिबंधित करेगी, जिसे डोनबास क्षेत्र भी कहा जाता है.

# घर-घर की तलाशी से दहशत में काबुल निवासी

**काबुल**. काबुल शहर के निवासियों ने घर-घर जाकर तलाशी लेने की सूचना देते हुए कहा कि घरों पर छापेमारी से बच्चों और महिलाओं में दहशत फैल गई है।

अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात ने कहा कि उसने सुरक्षा कड़ी करने के लिए काबुल और उसके पड़ोसी प्रांतों के कुछ हिस्सों में उप रक्षा मंत्री मुल्ला मोहम्मद फजल मजलूम की कमान में एक तलाशी अभियान शुरू किया है।

टोलोन्यूज ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को काबुल के कई हिस्सों को कवर किया।

काबुल के रहने वाले सैयद अजीम ने कहा, करीब 10 से 15 लोग अचानक घर में घुस आए। वे कमरे, छत और रसोई सहित घर में हर जगह फैल गए और घर के अंदर तलाशी ली।राजधानी काबुल के कुछ निवासियों ने इस्लामिक अमीरात की सेनाओं द्वारा घर पर छापेमारी की आलोचना की।निवासी राशिद ने कहा, यह मनमानी कार्रवाई गलत है। उनके पास तलाशी की अनुमति होनी चाहिए और घरों की तलाशी लेने के लिए उनमें महिलाएं भी होनी चाहिए।एक निवासी हारून ने कहा, अगर उनके पास किसी अपराध के बारे में जानकारी है, तो

उन्हें इसकी तलाश में जाना चाहिए, लेकिन निर्दोष लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

लेकिन इस्लामिक अमीरात के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में कहा कि छापेमारी का उद्देश्य लुटेरों, अपहरणकर्ताओं और अन्य अपराधियों को हिरासत में लेना है जिन्हें पहले से ही खुफिया सेवा द्वारा पहचाना जा चुका है। बयान के अनुसार, नागरिकों और निर्दोष लोगों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय किए गए हैं।मुजाहिद ने टोलोन्यूज के हवाले से कहा, हम पहले से ही खुफिया विभाग के माध्यम से सभी (स्पॉट) का पता लगा चुके हैं और पूरी तरह से पता लगाने के बाद, ऑपरेशन शुरू किए गए और अपराधियों को हिरासत में लिया गया। तलाशी की जाएगी, अगर वह कुछ भी नहीं है .

## तो क्या भारत पर गिरा दें 500 टन भारी स्पेस स्टेशन अमेरिकी प्रतिबंधों पर रूस का पलटवार

**दुनिया**. से रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा घोषित नए प्रतिबंधों में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर हमारे सहयोग को नष्ट करने की क्षमता है। इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। आपको बता दें कि यूक्रेन पर सैन्य हमले के लिए अमेरिका रूस को दंडित करने के लिए प्रतंबध लगा रहा है। कल भी जो बाइडेन ने कुछ प्रतिबंधों की घोषणा की थी।वर्तमान में, ह्यूस्स में चार अमेरिकी, दो रूसी और एक जर्मन अंतरिक्ष यात्री माइक्रोग्रैविटी में साथ-साथ काम कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा नए प्रतिबंधों की घोषणा के तुरंत बाद रोस्कोस्मोस के महानिदेशक दिमित्री रोगोजिन ने गुरुवार को एक ट्वीट कर कहा, ÷यदि आप हमारे साथ सहयोग को अवरुद्ध करते हैं तो आईएसएस को अनियंत्रित deor-bit में जाने और संयुक्त राज्य या यूरोप में गिरने से कौन बचाएगा?

उन्होंने एक दूसरे ट्वीट में कहा, हमारे पास इस 500 टन के ढांचे को भारत या फिर चीन में गिराने का भी विकल्प है। क्या आप उन्हें ऐसी संभावना से धमकाना चाहते हैं? आईएसएस रूस के ऊपर से नहीं उड़ता है। आपको प्रतिबंधों से आपको ही खतरा है। क्या आप इसके लिए तैयार हैं?÷ इसके बाद उन्होंने एक दोस्ताना सलाह की पेशकश की, जिसमें अमेरिका से गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार नहीं करने के लिए कहा।

**बाइडेन ने रूस पर लगाए हैं कई प्रतिबंध**

अमेरिका द्वारा घोषित नए प्रतिबंधों में प्रौद्योगिकी के निर्यात को रोकना शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि रूस की सैन्य और एयरोस्पेस क्षेत्र को आगे बढ़ाने की क्षमता को सीमित करेगा। अमेरिका ने रूसी बैंकों और क्रेमलिन के करीबी लोगों पर भी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है।

# गोलीबारी और विस्फोटों से दहली यूक्रेन की राजधानी कीव, सैकड़ों लोगों की मौत, लाखों ने छोड़े अपने घर

**कीव**. रूसी सैनिकों ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शुक्रवार को हमला शुरू दिया। सरकारी इमारतों के निकट गोलीबारी और विस्फोटों की आवाजें गूंज रही थीं। रूस की इस कार्रवाई से यूरोप में व्यापक युद्ध की आशंका पैदा हो गई है वहीं उसे रोकने के लिए दुनियाभर में प्रयास भी शुरू हो गए हैं। युद्ध से सैकड़ों लोगों के हताहत होने की सूचनाओं के बीच कीव में इमारतों, पुलों और स्कूलों के सामने भी गोलीबारी और विस्फोटों की घटनाएं हुई हैं। इस बात के भी संकेत बढ़ रहे थे कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन की मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश कर रहे हैं।दुनिया के नक्शे में बदलाव करने और रूस के शीतयुद्ध कालीन प्रभाव को बहाल करने के लिए यह पुतिन का अभी तक का सबसे बड़ा कदम है। हालांकि इस युद्ध में अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेन का कितना हिस्सा अब भी उसके कब्जे में है और कितने हिस्से पर रूस का नियंत्रण हो गया है। इस बीच क्रेमलिन ने बातचीत करने की कीव की पेशकश स्वीकार कर ली लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि यह युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के प्रति नरमी दिखाते हुए किया जा रहा है, ना की मामले का कूटनीतिक हल निकालने के लिए।

**बुलाई गई आपातकालीन बैठक**

पश्चिमी देशों के नेताओं ने आपातकालीन बैठक बुलाई है और यूक्रेन के राष्ट्रपति ने ऐसे हमलों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद की गुहार लगाई है क्योंकि उन्हें आशंका है कि रूस लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई उनकी सरकार को बेदखल कर सकता है। यूक्रेन में बड़े पैमाने पर लोग हताहत हो सकते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता है। रूस के

आक्रमण का दूसरा दिन यूक्रेन की राजधानी पर केंद्रित था, जहां 'एसोसिएटेड प्रेस' के पत्रकारों ने विस्फोट की आवाजें सुनीं और कई क्षेत्रों से गोलियां चलने की सूचना भी है।

यूक्रेन के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा करते हुए पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा एवं प्रतिबंधों को नजरंदाज किया है और अन्य देशों को चेतावनी दी कि रूसी कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास के ''ऐसे परिणाम होंगे, जो उन्होंने कभी नहीं देखे होंगे।''

**137 लोगों की हो चुकी है मौत की पुष्टि**

रूसी सेना ने कहा कि उसने कीव के बाहर एक रणनीतिक हवाई अड्डे और पश्चिम में एक शहर पर नियंत्रण कर लिया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने यूक्रेन की ओर कम से कम 137 लोगों की मौत की सूचना दी और सैकड़ों रूसी सैनिकों के मारे जाने का दावा किया। रूसी अधिकारियों ने हताहतों का कोई आंकड़ा जारी नहीं किया है।

फिलहाल मृतक संख्या को सत्यापित करना संभव नहीं हो सका है।एक लाख लोगों ने छोड़े घर संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि 25 नागरिकों की मौत हुई है जिनमें से ज्यादातर की मौत गोलाबारी और हवाई हमलों में हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसा माना जा रहा हैकि एक लाख लोगों ने अपने घर छोड़े हैं। आशंका है कि युद्ध बढ़ने पर यह संख्या 40 लाख तक पहुंच सकती है। कर लिया है और स्थानीय होने का दिखावा कर घुसपैठ के लिए शहर की ओर बढ़ रहे हैं।

# UNSC में भी चली रूस की अकड़, भारत रहा 'निंदा वोटिंग' से दूर

**संयुक्त राष्ट्र**.अमेरिका (America) समेत नाटो देशों की चेतावनियों को धता बताते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन (Vladimir Putin) का यूक्रेन एडवेंचर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में भी धमक के साथ गूंजा.

यूक्रेन पर हमले के लिए लाए गए निंदा और यूक्रेन (Ukraine) से तुरंत बगैर शर्त रूसी सेना की वापसी का प्रस्ताव रूस ने अपनी वीटो पॉवर से गिरा दिया. इस प्रस्ताव पर वोटिंग से भारत समेत चीन और यूएई ने दूरी बनाए रखी. हालांकि संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति (TS Tirumurti) ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा कर किसी भी तरह की हिंसा का विरोध करते हुए बातचीत से मसले को अविलंब सुलझाने का आह्वान किया. गौरतलब है कि विगत एक सप्ताह में यूएनएससी की यह तीसरी बैठक थी.

**भारत के लिए कड़ी चुनौती थी यूएनएससी में**

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के लिए आज बड़ी चुनौती थी. उसे अपने परंपरागत दोस्त रूस और रणनीतिक साझेदार अमेरिका में से किसी एक का चयन करना था. ऐसे में रूस के खिलाफ लाए गए निंदा प्रस्ताव पर वोटिंग से परहेज कर भारत ने फिलहाल दोनों हितों को साधने की कोशिश की. गौरतलब है कि यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई को लेकर असहमति वाले प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थानीय समयानुसार शुक्रवार और भारतीय समयानुसार शनिवार सुबह तड़के वोटिंग की गई. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका और अल्बानिया ने रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश किया था.

प्रस्ताव का इस तरह था मसौदा

इस प्रस्ताव में रूसी आक्रामकता, हमला और यूक्रेनी संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा शामिल रही. इसके अलावा प्रस्ताव में यूक्रेन की संप्रभुता, स्वतंत्रता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई. साथ ही रूसी हमले को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का उल्लंघन बताया गया. इसके साथ ही यह भी कहा गया कि रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्सक और लुहांस्क को अलग मान्यता देने के फैसले को भी तुरंत पलटे. इस प्रस्ताव को रूस ने अपने इंकार से गिरा दिया. गौरतलब है कि सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होने के नाते रूस के पास वीटो पॉवर है. हालांकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों में से 11 ने यूक्रेन में रूस की कार्रवाई की निंदा वाले प्रस्ताव पर वोट डाला, जबकि भारत, चीन और यूएई ने इससे दूरी बनाई.

**भारत ने वोटिंग से परहेज का बताया यह कारण**

हालांकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा, सभी सदस्य देशों को रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ने के लिए सिद्धांतों का सम्मान करने की जरूरत है.

**अखंड भारत संदेश**
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506

## अबतक 29,000 लोगों ने पोलैंड-यूक्रेन सीमा पार की : बॉर्डर गार्ड

**वारसॉ**. अबतक 29,000 लोग यूक्रेन की सीमा से पोलैंड में दाखिल हुए हैं। ये जानकारी पोलैंड के बॉर्डर गार्ड ने दी।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पोलिश बॉर्डर गार्ड ने शुक्रवार को कहा कि गुरुवार को 29,000 लोग पोलैंड में दाखिल हुए थे।स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता वोज्जिएक एंड्रूसिविक्ज ने गुरुवार को पोलिश प्रेस एजेंसी को रूस द्वारा डोनबास में एक विशेष सैन्य अभियान शुरू करने के बाद बताया कि पोलैंड, यूक्रेन में संघर्षों के दौरान सबसे खराब स्थिति के लिए तैयार है और पोलैंड आने वालों को

चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए भी तैयार है।

पोलैंड के उप आंतरिक मंत्री पावेल स्जेफर्नकर के अनुसार, पोलैंड के पूर्वी ल्यूबेल्स्की प्रांत में विस्थापित यूक्रेनियनों के लिए आठ स्वागत केंद्र स्थापित किए गए हैं।उन्होंने कहा, पोलैंड में आने वाले यूक्रेनियन को भोजन, चिकित्सा सहायता और जानकारी दी जाएगी।

पोलैंड के स्वास्थ्य मंत्री एडम नीडजिएल्स्की ने वर्चुअना पोल्स्का वेबसाइट के साथ एक साक्षात्कार में कहा, पोलैंड संघर्ष में घायल हुए यूक्रेनियाई लोगों को ले जाने के लिए एक मेडिकल ट्रेन भी तैयार कर रहा है और रोगियों को प्राप्त करने के लिए 120 अस्पताल तैयार किए हैं।

## यूक्रेन से लोगों को बाहर निकलने में मदद करेगा हंगरी

**बुडापेस्ट**. हंगरी, यूक्रेन के नागरिकों के साथ-साथ वहां से बाहर निकलने वाले तीसरे देशों के लोगों की भी मदद करेगा। ये जानकारी देश के विदेश मामलों और व्यापार मंत्री पीटर सिज्जाटरे ने शुक्रवार को बुडापेस्ट में दी।

उन्होंने कहा कि तीसरे देश जिन्होंने अपने नागरिकों को घर पहुंचाने के लिए हंगरी से मदद का अनुरोध किया है, उनमें भारत, ईरान, इक्वाडोर, इजरायल, जिम्बाब्वे, मालदीव, मंगोलिया और जॉर्डन शामिल हैं।

सिज्जाटरे ने अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो संदेश में कहा, हम उन्हें बिना वीजा के प्रवेश करने देंगे और उन्हें पास के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ले जाएंगे, जो डेब्रेसेन (पूर्वी हंगरी) है।यूक्रेन और हंगरी के बीच 5 बोर्डर पार करने वाले बिंदुओं पर लोगों की संख्या स्थिर है, लेकिन विदेश मंत्री ने कहा कि यूक्रेन की तरफ 3-5 किलोमीटर लंबी कारों की कतारें हैं।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन के अनुरोध पर हंगरी, यूक्रेन को मानवीय आपूर्ति के लिए सीमा जांच प्रक्रियाओं को तेज करेगा।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि यूक्रेन से ऊर्जा (गैस और तेल) की आपूर्ति निर्बाध रूप से हो रही है।हंगेरियन सरकार ने गुरुवार शाम को एक डिक्री को अपनाया जिसके अनुसार यूक्रेन के शरणार्थियों को अस्थायी सुरक्षा प्राप्त होगी। यह यूक्रेन के क्षेत्र से आने वाले सभी यूक्रेन के नागरिकों के साथ-साथ यूक्रेन में कानूनी रूप से रहने वाले तीसरे देश के नागरिकों पर भी लागू होती है।प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन के फेसबुक पेज के अनुसार, हंगरी की सरकार को यूक्रेन से देश में लगभग 600,000 शरणार्थियों के आने की उम्मीद है।